सतना
13 जून 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

दिल्ली के तुगलकाबाद में बिल्डिंग में आग ,3 मौतें, 6 झुलसे

छत के रास्ते रेस्क्यू

पार्किंग में टू-व्हीलर में आग लगी, 5वीं मंजिल तक फैली

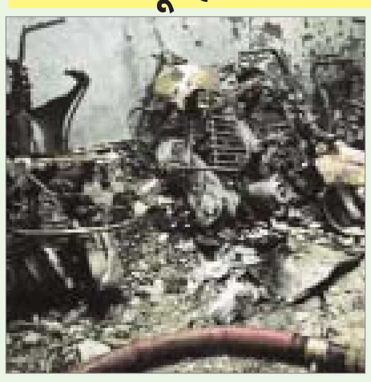

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक और दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है, सभी अस्पताल में भर्ती हैं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में लगी थी। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया।

फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर 1 में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया। 3:45 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

चश्मदीद बोलीं- गाड़ियों एक-एक करके ब्लास्ट हुईं

एक चश्मदीद ने बताया कि, हम लोग पड़ोस में रहते हैं। आग लगने की खबर मिलते ही वहां पहुंचे तो देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर खड़ी गाड़ियों में एक-एक करके ब्लास्ट हो रहा था। हमने पानी का इस्तेमाल करके आग बुझाई। हमने पीछे की तरफ से भी लोगों को बचाया। उन्हें नीचे उतारने के लिए साड़ियों का इस्तेमाल किया और लड़कियों को बाहर निकालने के लिए पीछे की सुरक्षा ग्रिल काटी। बिलडिंग में कुल 9 परिवार रहते हैं कुछ बाहर गए थे। घटना के वक्त करीब 20-22 लोग इमारत में रहे होंगे।

म.प्र.-राजस्थान समेत 22 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट; बिहार में बिजली गिरने से 10 की मौत

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ पटना, एजेंसी। देश में मानसून के आगे बढ़ने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को मानसून की बंगाल की खाड़ी वाली ब्रांच बिहार में पहुंच गई। हालांकि, मुंबई में मानसून थोड़ा पीछे चल रहा है।

अगले 3 दिन में मानसून के झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में एंट्री करने की संभावना है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। इधर दिल्ली-NCR और हरियाणा में गुरुवार रात कई इलाकों में 70 से 80 किमी. की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे तेज गर्मी से राहत मिली। गुरुवार को बिहार के 12 जिलों में आंधी-बारिश हुई। बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई। गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है।

राजस्थान में चलेगी धूल भरी आंधी, तेलंगाना में हीटवेव का अलर्ट... मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब समेत 22 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में धूल भरी आंधी चल सकती है। महाराष्ट्र से लगे कोंकण और गोवा में मौसम उमस भरा रहेगा। कर्नाटक और केरलम में समुद्र की तरफ से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं तेलंगाना, विदर्भ और आंध्र प्रदेश के समुद्री जिलों में हीटवेव का अलर्ट है।

एक ग्राहक को 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं

कॉमर्शियल यूजर रिटेल पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं खरीद पाएंगे, इनके लिए डीजल करीब 40 महंगा

नई दिल्ली,एजेंसी। आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसके अलावा अब फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स को रिटेल आउटलेट से ईंधन नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने 11 जून 2026 को इसे लेकर आदेश जारी किया है। अब इन बड़े उपभोक्ताओं को केवल बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीदना होगा।

सरकार ने यह कदम देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। यह पाबंदी शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत नहीं होगी।

ममता की हार के 14 दिन बाद ही टीएमसी टूटी

बागियों का 18 मई को स्पीकर को भेजा लेटर सामने आया, इसमें 19 सांसदों के दस्तखत

कोलकाता,एजेंसी। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस यानी TMC में फूट अब तय है। विधानसभा के 80 में से 58 विधायकों के बगावत के बाद लोकसभा के बागी 19 सांसदों का लेटर शुक्रवार को सामने आया। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक इसे 18 मई को लोकसभा स्पीकर को भेजा गया था और अलग गुट बनाने की मांग की गई है। इससे साफ है कि ममता की हार के 14 दिन बाद ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई थी। इस चिठ्ठी में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। एक नाम सामने नहीं आया है।

इससे पहले 3 जून को टीएमसी के58 विधायकों ने बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उनके गुट को मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर पथराव

फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस का श्व-1 कोच बना निशाना, कानपुर से दिल्ली जा रहे थे

कानपुर,एजेंसी। फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे। भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के E-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया। गनीमत रही कि इस पथराव में संघ प्रमुख सुरक्षित रहे।

सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में कहीं भी नहीं रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही टूंडला जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के आला अधिकारी भारी फोर्स के साथ मुस्तैद हो गए।

शाम 7:34 बजे जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी, सुरक्षा घेरा बेहद सख्त कर दिया गया। टूंडला जंक्शन पर सुरक्षा जांच करने के बाद ट्रेन को शाम 7:41 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया। वहीं, आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने मक्खनपुर-फिरोजाबाद रेल खंड के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

इससे पहले भागवत गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे नीतू सिंह की बेटी के आशीर्वाद समारोह में शामिल होने पहुंचे। नीतू सिंह कानपुर के पूर्व भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी की बड़ी बेटी हैं। नीतू सिंह की बेटी वसुंधरा और यश की 21 जून को शादी है।

कुछ समय यहां रुकने के बाद भागवत लौट गए। इस दौरान नीतू सिंह ने भागवत के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उनका अभिवादन किया। इस आशीर्वाद समारोह में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, यूपी सरकार में मंत्री सूर्यप्रताप शाही, योगेंद्र उपाध्याय, भूपेंद्र चौधरी मंत्री समेत कई वीआईपी शामिल हुए। इसे देखते हुए शहर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। नीतू सिंह का परिवार लंबे समय से संघ से जुड़ा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की कांग्रेस की याचिकाः

मीनाक्षी ने कहा था- चुनाव आयोग ने मनमानी की

» राज्यसभा चुनाव लड़ने दिया जाए

दिल्ली/भोपाल,एजेंसी। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मीनाक्षी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें शुरुआती चरण में ही बाहर कर दिया है। उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए, अगर उन्हें वोट नहीं मिलते हैं तो वे हार जाएंगी, यही लोकतंत्र की प्रक्रिया है।' म.प्र.की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को उनका नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी ने अपने खिलाफ दर्ज एक केस की जानकारी नामांकन पत्र में नहीं दी। इस आपत्ति को स्वीकार करते हुए रिटर्निंग अधिकारी (RO) ने उनका नामांकन निरस्त कर था।

एक दिन पहले मध्य प्रदेश की तीनों सीटों पर भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवारों रजनीश अग्रवाल, तरुण चुग और महेश केवट ने निर्विरोध जीत दर्ज की।

जब यह कोई मौलिक अधिकार ही नहीं है, तो आर्टिकल 32 के तहत याचिका भी स्वीकार नहीं हो सकती।

एडवोकेट रोहतगी बोले- चुनाव लड़ना एक वैधानिक अधिकार है... (कंटेस्टिंग कैंडिडेट पक्ष) के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा- चुनाव लड़ने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के अनुसार एक वैधानिक अधिकार है, कोई मौलिक अधिकार नहीं है। यह सिद्धांत जयोति बसु मामले में स्थापित किया गया था और बाद के कई फैसलों में इसे दोहराया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द की

पीड़िता को पति ने छोड़ा तो आरोपी ने ही शादी की, 10 लाख का मुआवजा भी दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में मिली सजा रद्द कर दी। कोर्ट ने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि आरोपी और पीड़िता ने बाद में शादी कर ली और आरोपी ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया। कोर्ट का कहना है कि बालिग होने के बाद पीड़िता ने आरोपी से शादी कर ली थी। पीड़िता ने ही उसकी सजा रद्द करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी और पीड़िता अब समाज में पति-पत्नी की तरह शांतिपूर्वक जीवन जीने के लिए स्वतंत्र हैं। 2019 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई थी। मद्रास हाई कोर्ट ने सजा सस्पेंड कर दी थी, लेकिन 2021 में केस खत्म करने की पीड़िता की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद आरोपी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

कोर्ट ने विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर फैसला सुनायाः सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फैसला सुनाया। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार है कि वह अपने पास लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कोई भी आदेश पारित कर सके। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की बेंच ने कहा- मामले की खास परिस्थितियों को देखते हुए, हम अपीलकर्ता की दोषसिद्धि और सजा के फैसले को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी व्यापक शक्तियों का इस्तेमाल करना उचित समझते हैं।

ट्रम्प बोले- ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई, वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे

» ईरान बोला- अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया

तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा पार उग्रवाद और बॉर्डर सुरक्षा पर बात

जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के सीमा सुरक्षा बलों के प्रमुखों ने सीमा पार के अपराधों, उग्रवादी गतिविधियों और बॉर्डर सिक्योरिटी को कमज़ोर करने वाली किसी भी कार्रवाई के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' (सख़्त रवैया) की नीति अपनाने के अपने साझा संकल्प को दोहराया है। दोनों पक्षों ने सीमा पार होने वाले अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बीएसएफ और बीजीबी के बीच 57वीं डायरेक्टर जनरल स्तर की बॉर्डर कोऑर्डिनेशन कॉन्फ्रेंस 8 जून से 11 जून तक बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

दोस्ताना, सकारात्मक और भविष्य की सोचः भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल प्रवीण कुमार ने किया और बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीजीबी के डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज़्ज़मान सिद्दीकी ने किया। यह कॉन्फ्रेंस दोस्ताना, सकारात्मक और भविष्य की सोच वाले माहौल में आयोजित की गई, जो सीमा की सुरक्षा करने वाले दोनों बलों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग और आपसी भरोसे को दिखाती है। दोनों सीमा सुरक्षा बलों के बीच सबसे ऊंचे स्तर के द्विपक्षीय तंत्र के तौर पर, यह बॉर्डर कोऑर्डिनेशन कॉन्फ्रेंस सीमा की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने और सीमा सुरक्षा व प्रबंधन से जुड़े आपसी चिंता के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अहम मंच प्रदान करती है।

उम्र रोकने की दवा का पहली बार इंसान पर परीक्षण

ग्लूकोमा से पीड़ित एक मरीज की आंख की पुतली में लगाया गया इंजेक्शन

बोस्टन,एजेंसी। मेडिकल साइंस के सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक 'रिवर्स-एजिंग' यानी बुढ़ापा रोकने की दवा का इंसानों पर पहला ट्रायल शुरू हो गया है। पहली बार उम्र के असर को उलटने वाला इंजेक्शन किसी इंसान को लगाया गया है।

अमेरिका के बोस्टन स्थित बायोटेक स्टार्टअप 'लाइफ बायोसाइंसेज' ने बताया कि उनके पहले मरीज को सेल्यूलर रीप्रोग्रामिंग का इंजेक्शन दे दिया गया है। परीक्षण के तहत यह इंजेक्शन ग्लूकोमा (काला मोतिया) से पीड़ित मरीज की एक आंख की पुतली में लगाया गया है।

इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य उम्र बढ़ने के कारण कमजोर हो चुकी कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है। अगले 6 महीने तक वैज्ञानिक इसके असर और साइड इफेक्ट्स पर नजर रखेंगे।

इससे पहले चूहों और बंदरों पर हो चुका है सफल टेस्ट... अब डॉक्टर और वैज्ञानिक आने वाले कई महीनों तक मरीज की बारीकी से निगरानी करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह तकनीक इंसानी शरीर के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। इस थेरेपी में सबसे पहले मरीज की आंख में एक सिंगल जीन थेरेपी इंजेक्शन दिया गया है। इसके बाद कुछ हफ्तों तक एंटीबायोटिक दवाओं का एक विशेष कोर्स कराया जाएगा।

यह एंटीबायोटिक दवा शरीर के भीतर जाकर उन तीन इलाज करने वाले जीनों के लिए 'ऑन स्विच' का काम करेगी, जो कोशिकाओं को रीप्रोग्राम (युवा) करना शुरू करते हैं। इससे पहले चूहों और बंदरों पर हुए टेस्ट में इसने उनकी रोशनी सफलतापूर्वक वापस लौटा दी थी।

परीक्षण सफल रहा तो एजिंग थेरेपी का नया दौरः लाइफ बायोसाइंसेज के सीईओ जेरी मैकलॉघलिन ने कहा कि यह उनकी कंपनी या एजिंग बायोलॉजी ही नहीं, पूरे मेडिकल साइंस के लिए संभावित रूप से बड़ा और परिवर्तनकारी पल है।

इस थैरेपी के लिए इंसानों की आंख को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंख शरीर के बाकी हिस्सों से अलग और सुरक्षित होती है। इससे साइड इफेक्ट्स पर नजर रखना भी आसान होता है।

अगर यह क्लिनिकल ट्रायल सफल रहा, तो एजिंग थेरेपी में नया युग शुरू हो सकता है। लक्ष्य पूरे शरीर की कोशिकाओं को फिर से युवा और सक्रिय बनाना है, ताकि उम्र बढ़ने के साथ डीएनए के काम करने और उसके एक्सप्रेशन के तरीके में सुधार हो सके।

अरबपतियों और फार्मा कंपनियों का निवेश इस तकनीक में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन समेत कई बड़े निवेशकों ने पैसा लगाया है। एली लिली और मर्क जैसी दवा कंपनियां भी इस आइडिया में निवेश बढ़ा रही हैं। इंसानों पर ट्रायल से पहले यह रिसर्च चूहों और बंदरों तक ही सीमित थी, जो अब इंसानों तक पहुंच गई है।

नोएडा में किसी हाल में न कटे बिजली', कटौती से नाराज हुए ऊर्जा मंत्री, दिए 24 घंटे आपूर्ति के निर्देश

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सबसे अधिक राजस्व देता है। यहां किसी भी हालत या स्थिति में बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। बीते दिनों दर्जनों शिकायतें बिजली कटौती की ऊर्जा मंत्री तक पहुंची। बृहस्पतिवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सेक्टर-150 स्थित विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। बिजली कटौती को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए निगम अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि दिन हो या रात उपभोक्ताओं के फोन का जवाब हर हाल में दिया जाना चाहिए। उपकेंद्र का औचक निरीक्षण करते हुए अन्य व्यवस्थाओं को भी जांचा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता किसी भी माध्यम से शिकायत करें उनकी सुनवाई तत्काल की जाए। फॉल्ट होने पर उसे जल्द से जल्द ठीक करके आपूर्ति बहाल की जाए ताकि उपभोक्ताओं को गर्मी का सामना न करना पड़े।

संविदाकर्मियों को लेकर ऊर्जा मंत्री ने कही ये बात: उपकेंद्र पर दोपहर लगभग तीन बजे ऊर्जा मंत्री पहुंचे। उपकेंद्र से दस हजार उपभोक्ताओं को आपूर्ति दी जाती है। आपूर्ति रजिस्टर को भी उन्होंने जांचा। किस तरह की आपूर्ति दी जा रही है इसकी रिपोर्ट भी उन्होंने ली। उपकेंद्र की मशीन, लाइन आदि को भी उन्होंने देखा। मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा भाव से कार्य करने के लिए कहा। ड्यूटी पर तैनात संविदाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उत्साहवर्धन किया। कहा कि हर स्थिति में संविदाकर्मी काम पर डटे रहते हैं। हाइटेंशन लाइनों के बीच जाकर भी बेफिक्र होकर फॉल्ट को अटेंड करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति व्यवस्था और बेहतर करने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य अभियंता एसके जैन, अधीक्षण अभियंता तकनीकी विवेक कुमार, अधीक्षण अभियंता वाणिज्यिक उमेश कुमार यादव, अधिशासी अभियंता वैभव मिश्रा, शशिकांत, अजय कुमार और अनुज कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री व पावर कार्पोरेशन की अनबन सामने आई, मंत्री बोले- बदनाम करने वालों का तबादला करें

लखनऊ, एजेंसी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और पॉवर कॉर्पोरेशन के बीच अंदरखाने चल रही अनबन बृहस्पतिवार को खुलकर सामने आ गई। ऊर्जा मंत्री ने पॉवर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल पर पत्र लिखकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। मंत्री ने कहा है कि गर्मी में कई विद्युत कर्मियों ने निष्ठापूर्वक कार्य किया है, लेकिन कुछ कर्मियों ने लापरवाही कर सरकार को बदनाम किया। ऐसे कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। वर्तमान ट्रांसफर सीजन में इनका यथायोग्य तबादला किया जाए। इस बारे में उन्हें भी जानकारी दें।

बिना बताए बाहर जाने पर जताई आपत्ति: पत्र में लिखा है कि मई में आंधी तूफान के कारण विद्युत अवसंरचना बुरी तरह प्रभावित हुई है। 30 मई की समीक्षा बैठक में पता चला कि ऐसी चुनौतीपूर्ण समय में आप मुख्यालय से बाहर हैं। आगे भी तीन दिन बाहर रहेंगे। आग्रह करने पर ऑनलाइन बैठक हुई। किसी भी उच्चअधिकारी का यह व्यवहार जनहित के विपरीत एवं गैरजिम्मेदाराना है। भविष्य में मुख्यालय छोड़ने से पहले मुझे अवगत कराया जाए।

जब प्रबंधन मंत्री की नहीं सुन रहा तो किसकी सुनेगा = वर्मा: राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ईंधन अधिभार शुल्क वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कहा, जब पॉवर कॉर्पोरेशन ऊर्जा मंत्री और नियामक आयोग का नहीं सुन रहा है तो किसकी सुनेगा? उन्होंने पूरे मामले में सीएम योगी से हस्तक्षेप करने और उपभोक्ताओं को राहत दिलाने की मांग की है। वर्मा ने कहा कि विद्युत नियामक आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जून में 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार शुल्क लगाना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है।

अब ऊर्जा मंत्री ने भी यह कहा जाना कि उन्हें इस निर्णय की जानकारी सोशल मीडिया मिली। इस विषय पर उनसे कोई राय नहीं ली गई यह अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़े करता है। कहा कि उन्होंने गर्मी शुरू होने से पहले ही चेतावनी दी थी कि वर्टिकल व्यवस्था विफल हो रही है। संविदा कार्मिकों की कमी के कारण बिजली आपूर्ति एवं अनुरक्षण व्यवस्था प्रभावित होगी। फिर भी कार्पोरेशन प्रबंधन ने नहीं सुना। पावर कॉरपोरेशन में लगातार मनमाने ढंग से फैसले लिए जाते रहे हैं।

तीन साल से लंबित हैं मंत्री के निर्देश : समितिः लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने बृहस्पतिवार को पॉवर कॉर्पोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल को ज्ञापन सौंपा।

यूसुफ पठान, सायोनी घोष और शताब्दी रॉय सामने आई टीएमसी के 19 बागी सांसदों की लिस्ट

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक भूचाल के बीच 20 में से 19 बागी सांसदों ने पार्टी से अलग होने का मन बना लिया है और 18 मई को अपने नामों की सूची आधिकारिक तौर पर लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय को भेज दी है। यह बगावत पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ मानी जा रही है। टीएमसी के इन सांसदों का बागी रुख पार्टी आलाकमान के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर अलग गुट को मान्यता देने की मांग की गई है। दल-बदल कानून से बचने के लिए बागी खेमे को दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, और 19 सांसदों का आंकड़ा इस कानूनी बाधा को पार करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

अहमदाबाद विमान हादसा: एक साल बाद भी अधर में न्याय, पीड़ित ने मांगी जांच में ईमानदारी और पारदर्शिता

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद विमान दुर्घटना को आज एक साल पूरे हो गए हैं। इस हादसे में एक मात्र बचने वाले ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश का दर्द आज भी उतना ही हरा है। विश्वास कुमार ने कहा कि मैं बच तो गया, लेकिन इस जिंदा रहने की कीमत मैं हर रोज अपनी आत्मा का एक हिस्सा देकर चुका रहा हूं। हालांकि, उन्होंने इस दुर्घटना में विश्वास कुमार रमेश ने अपने भाई को भी इस क्रैश मैं खो दिया था। उन्होंने अपना दर्द साझा करते हुए कहा कि आज भी आंखें बंद करता हूं, तो मुझे वो चीखें, आग और वो खौफनाक मंजर दिखाई देता है। मैं बच तो गया, लेकिन गहरे मानसिक जख्मों के साथ। आज मेरे विश्वास त्रासदी की पहली बरसी है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने पिछले महीने कहा था कि जांच अंतिम चरण में है और रिपोर्ट बरसी तक आने की संभावना है। लेकिन ऐसा क्यों हुआ यह तकनीकी खराबी थी या किसी की लापरवाही? इस सवाल का जवाब सालभर बाद भी नहीं मिला है। विश्वास कुमार रमेश ने कहा कि हमें और हमारे जैसे सैकड़ों पीड़ित परिवारों को सिर्फ तीन चीजें चाहिए ईमानदारी, पारदर्शिता और हमारे सवालों के जवाब। क्योंकि कोई भी रिपोर्ट मेरे भाई को लौटा नहीं सकती और न ही उन 260 लोगों को जिंदा कर सकती है। लेकिन पीड़ित परिवारों को यह जानने का अधिकार है कि उनके अपनों के साथ उस दिन क्या हुआ था। एक तरफ जहां एअर इंडिया और टाटा समूह अधिकांश परिवारों को मुआवजा देने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ विश्वास कुमार और अहमदाबाद के अजय परमार जैसे सर्वाइवर्स आज भी अधूरे मुआवजे, मानसिक आघात और सामाजिक उपेक्षा के कारण नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। ब्रिटिश नागरिक होने के बावजूद मुझे या अन्य ब्रिटिश पीड़ित परिवारों को यूके सरकार से मदद नहीं मिली। हाल में एअर इंडिया अधिकारियों व टाटा समूह प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई, पर मुआवजे और मदद से जुड़े अहम मुद्दे अब भी अधर में हैं। एअर इंडिया ने कहा है कि मृतकों के 96% परिवारों को 25 लाख अंतरिम मुआवजा दे दिया गया है। बाकि 4 प्रतिशत मामलों में दस्तावेज अधूरे या पारिवारिक विवाद के कारण फंसे हैं।

मुंबई के झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास क्षेत्र में रिलायंस भी उतरा, मुकेश अंबानी ने हासिल किया बड़ा प्रोजेक्ट

मुंबई, एजेंसी। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह ने पश्चिम मुंबई में 101.40 एकड़ के झुग्गी बस्ती के पुनर्विकास से जुड़ी बोली जीत ली है। इसके साथ ही कंपनी ने उस क्षेत्र में कदम रखा है, जहां उसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी अदाणी समूह पहले से ही एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में से एक धारावी का पुनर्विकास कर रही है। इस टेंडर के लिए धातु क्षेत्र की दिग्गज कंपनी जेएसडब्ल्यू और बड़े कारोबारी समूह शापूरजी पलोनजी समूह ने भी बोलियां लगाई थीं। मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी ने बुधवार देर रात बताया कि रिलायंस 4आईआर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम ने अंधेरी में जुहू गली स्लम क्लस्टर के लिए बोली जाती है। अथॉरिटी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से जुहू गली में रहने वाले पात्र लोगों को 28 हजार से ज्यादा घर मिलने की उम्मीद है। मुंबई में झुग्गी बस्ती पुनर्विकास का काम पहले स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी के तहत मध्यम आकार के डेवलपर्स करते रहे हैं, लेकिन जमीन के बिखरे हुए मालिकाना हक और निवासियों की सहमति लेने की ज़रूरत के कारण अक्सर प्रोजेक्ट में देरी होती रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र सरकार (जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है) की ओर से किए गए नीतिगत बदलावों ने बड़े बिजनेस समूह को इस सेक्टर की ओर आकर्षित किया है।

रक्षा सचिव के बाद सशस्त्र बल के मंत्री अल कार्न्स का भी इस्तीफा, बजट पर बढ़ा विवाद, मुश्किल में स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री अल कार्न्स ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने रक्षा निधि और सैन्य तैयारियों को लेकर गहरी चिंताओं का हवाला दिया। इस कदम से राष्ट्रीय सुरक्षा खर्च को लेकर प्रशासन के भीतर मौजूद मतभेद और भी उजागर हो गए हैं।

कार्न्स ने एक्स पर क्या लिखा: कार्न्स ने अपने इस्तीफे का एलान एक्स पर किया। उन्होंने लिखा कि सरकार ब्रिटेन के सशस्त्र बलों को पर्याप्त समर्थन देने में असफल रही है।

उन्होंने लिखा, 'ब्रिटेन की सेवा करने वालों को काम करने के लिए जरूरी उपकरण और काम पूरा होने पर उनके साथ खड़े रहने की वफादारी देना हमारा कर्तव्य है। हम इन दोनों में विफल रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने सरकार में अपना पूरा समय यही बात रखने में बिताया है।

वह मेरी बात नहीं सुन रहे हैं, इसलिए मैं सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं।'

'सैन्य खरीद नीतियां अभी भी पुरानी': प्रधानमंत्री को लिखे एक कड़े शब्दों वाले इस्तीफे पत्र में कार्न्स ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि रक्षा मंत्रालय के भीतर सार्थक सुधारों को आगे बढ़ाने के प्रयास गतिरोध पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने लिखा, 'मुझे यह स्पष्ट हो गया है कि जिस बदलाव के लिए मैंने प्रयास किया था। वह नहीं आने वाला है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, मैंने सशस्त्र बलों के मंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' पूर्व रॉयल मरीन कार्न्स ने चेतावनी दी कि ब्रिटेन आधुनिक युद्ध की तेजी से बदलती प्रकृति के अनुकूल ढलने में संघर्ष कर रहा है। यूक्रेन युद्ध जैसे संघर्षों से मिले सबक का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सैन्य खरीद नीतियां अभी भी पुराने खतरों पर केंद्रित हैं।

'विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहे': उन्होंने कहा, 'संघर्ष का स्वरूप हमारी खरीद क्षमता से कहीं अधिक तेजी से बदल रहा है। हम अभी भी पिछली लड़ाई के लिए उपयुक्त क्षमता खरीद रहे हैं। वहीं, हमारे विरोधी अगली लड़ाई के लिए हथियार जुटा रहे हैं।' कार्न्स ने सरकार की रक्षा निवेश योजना (डीआईपी) की कड़ी आलोचना की। उनका दावा था कि यह उभरती सुरक्षा चुनौतियों के पैमाने को संबोधित करने में विफल रही है।उन्होंने लिखा, 'रक्षा निवेश योजना में मेरी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन इस दूरी के कारण मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूं कि यह हमारे सामने मौजूद खतरे के लिए उपयुक्त नहीं है। यह न तो पर्याप्त रूप से परिवर्तनकारी है और न ही इसके लिए हमारे पास बजट है।' उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से रक्षा चौकी पर खड़े होकर उस निवेश स्तर का बचाव नहीं कर सकता जो मुझे पता है कि इस कार्य के लिए अपर्याप्त है।' उन्होंने आगे कहा कि 'एक गंभीर देश अपनी रक्षा के लिए धन उस खतरे का सामना करने के लिए खर्च करता है जिसका वह असल में सामना कर रहा है। न कि उस खतरे का जिसका वह सामना करना चाहता है।'

इसका स्टारमर सरकार पर क्या असर: कार्न्स ने उत्तरी आयरलैंड लेगेसी बिल की भी आलोचना करते हुए इसे उद्देश्य के लिए अनुपयुक्त बताया और चेतावनी दी कि यह उन दिग्गजों को विफल करने का जोखिम रखता है ।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता: गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं।

नीरव मोदी मामला पीएनबी अधिकारियों के खिलाफ नहीं मिले भ्रष्टाचार के सबूत

मुंबई, एजेंसी। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआइ को पीएनबी के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। इसके बाद विशेष सीबीआई अदालत ने मामले को सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। यह मामला पीएनबी के मुंबई जोनल कार्यालय की शिकायत पर नीरव मोदी, उससे जुड़ी कंपनियों के निदेशकों और बैंक के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नीरव मोदी की फर्मों ने बैंक की क्रेडिट सुविधाओं का दुरुपयोग कर पीएनबी को 321.88 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। बैंक की आंतरिक जांच में नीरव मोदी की साझेदारी फर्मों- सोलर एक्सपोर्ट्स, स्टेलर डायमंड्स, डायमंड्स आर यूएस, फायरस्टार इंटरनेशनल लिमिटेड (एफआइएल) और फायरस्टार डायमंड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (एफडीआइपीएल) – के बीच संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और धन के सर्कुलर प्रवाह के संकेत मिले थे। मामले में शुरुआत में आइपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) के अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) के तहत भी केस दर्ज किया गया था। हालांकि जांच के दौरान बैंक अधिकारियों की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण नहीं मिलने पर सीबीआई ने केवल निजी व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने का फैसला किया।

ईरान ने ट्रंप के दावों का किया खंडन: कहा- समझौते पर अंतिम फैसला नहीं, यूएस को भारतीय नाविकों की मौत पर भी घेरा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच बड़ा समझौता लगभग तैयार है और जल्द ही उस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। लेकिन ईरान ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी समझौते पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इसी बीच ओमान के तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले और उसमें भारतीय नाविकों के प्रभावित होने के मुद्दे पर भी ईरान ने अमेरिका की आलोचना की है। इससे पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और कूटनीतिक गतिविधियों पर नई बहस शुरू हो गई है।

क्या अमेरिका-ईरान समझौते पर अभी सहमति बनी है: ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका के साथ किसी अंतिम समझौते की खबरें केवल अटकल हैं। उनके अनुसार तेहरान ने अभी तक किसी भी समझौते पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है। बघाई ने कहा कि बातचीत की स्थिति शुरू से स्पष्ट थी और समझौते के मसौदे का बड़ा हिस्सा तैयार भी हो चुका था, लेकिन अमेरिकी पक्ष लगातार अपने रुख में बदलाव करता रहा। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपनी तय लाल रेखाओं और राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करने की नीति अपनाई है। साथ ही उन्होंने बताया कि कतर और पाकिस्तान मध्यस्थ के रूप में सक्रिय हैं, लेकिन अमेरिकी कदम कूटनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

ट्रंप ने समझौते को लेकर क्या दावा किया है: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के साथ ऐसा समझौता तैयार किया गया है जो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव को समाप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और अगले कुछ दिनों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रंप के मुताबिक समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ईरान भविष्य में कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य आधिकारिक रूप से फिर से पूरी तरह खुल जाएगा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार को राहत मिलेगी। हालांकि ईरान के ताजा बयान ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर

भारतीय नाविकों के मामले में ईरान ने क्या कहा

ओमान तट के पास एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले को लेकर ईरान ने अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस्माइल बघाई ने कहा कि इस हमले में कम से कम तीन भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं और यह घटना अमेरिका की कथित आक्रामक नीतियों का उदाहरण है। उन्होंने मृतक और लापता भारतीय नाविकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका को जवाबदेह ठहराने की मांग की। ईरान का कहना है कि ऐसी घटनाएं वैश्विक शांति, समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के लिए खतरा हैं।

भारत सरकार की प्रतिक्रिया क्या रही

भारत के विदेश मंत्रालय ने ओमान तट के पास हुए जहाज पर हमले की निंदा की है। मंत्रालय के अनुसार जहाज पर मौजूद 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि तीन भारतीय अब भी लापता हैं। भारत का दूतावास ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर खोज और बचाव अभियान की निगरानी कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और यह जारी संघर्ष का सीधा परिणाम हैं। भारत ने सभी पक्षों से तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल हो सके।

महंगाई का ऐसा असर..छोटा रूट नहीं, लंबी दूरी की सवारी ढो रहे ऑटो

अलीगढ़ , एजेंसी। डीजल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों का असर अब शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर भी दिखने लगा है। ऑटो चालक छोटे रूट की बजाय लंबी दूरी की सवारियां ढोने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें भीषण गर्मी में घंटों ऑटो का इंतजार करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ग्रिड योजना के तहत क्वार्सी पुल के पास नाला निर्माण कार्य चल रहा है।

फीफा विश्व कप के रंग में रंगा 'मिनी ब्राजील' विचारपुर, खिलाड़ियों का सपना- एक दिन भारत भी खेलेगा वर्ल्ड कप

शहडोल के फुटबॉल गांव में विश्व कप का उत्साह चरम पर, सुविधाओं की कमी के बावजूद खिलाड़ियों के हौसले बुलंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। फीफा विश्व कप 2026 के आगाज के साथ दुनिया भर में फुटबॉल प्रेमियों का उत्साह चरम पर है इसी उत्साह के बीच मध्यप्रदेश के शहडोल जिले का प्रसिद्ध 'मिनी ब्राजील गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही गांव के मैदानों में रौनक बढ़ गई है और बच्चे-युवा अपने पसंदीदा खिलाड़ियों व टीमों को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं शहडोल मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल एक खेल नहीं बल्कि गांव की पहचान और जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां लगभग हर परिवार का कोई न कोई सदस्य फुटबॉल से जुड़ा हुआ है वर्षों से गांव के खिलाड़ियों ने जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है जिसके चलते विचारपुर को मिनी ब्राजील के नाम से पहचान मिली गांव के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील की टीम का समर्थन कर रहे हैं जबकि कुछ युवा अर्जेंटीना और स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के प्रशंसक हैं खिलाड़ियों का कहना है कि वे विश्व कप के मुकाबलों से नई तकनीक, रणनीति और खेल कौशल सीखते हैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे का कहना है कि फीफा विश्व कप युवा खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है वहीं महिला फुटबॉल कोच लक्ष्मी सहीश खिलाड़ियों को केवल मैच देखने ही नहीं बल्कि खेल का विश्लेषण करने के लिए भी प्रेरित कर रही हैं हालांकि विश्व कप के इस उत्साह के बीच खिलाड़ियों को इस बात का अफसोस भी है कि भारत अब तक फीफा विश्व कप के मुख्य दौर में जगह नहीं बना पाया है खिलाड़ियों का मानना है कि देश में फुटबॉल के लिए बेहतर आधारभूत ढांचे आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और पर्याप्त संसाधनों की जरूरत है राष्ट्रीय पहचान मिलने के बावजूद विचारपुर आज भी कई मूलभूत खेल सुविधाओं से वंचित है खिलाड़ियों को समतल मैदान पर्याप्त फुटबॉल खेल किट, बाउंड्रीवाल और आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं का अभाव झेलना पड़ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन सुविधाओं का विकास किया जाए तो यह गांव देश को और अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दे सकता है विश्व कप के दौरान गांव में सामूहिक रूप से मैच देखने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं बच्चों और युवाओं का सपना है कि एक दिन भारत भी फीफा विश्व कप में खेले और दुनिया भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उसी उत्साह से देखे, जिस तरह वे विश्व फुटबॉल के सितारों को देख रहे हैं।

अवैध रेत उत्खनन पर ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 3 हाइवा जब्त, ब्यौहारी में प्रशासन ने की कार्रवाई

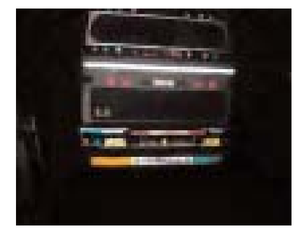

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन और पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है इस अभियान के तहत ब्यौहारी में गुरुवार रात एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और तीन हाइवा वाहन जब्त किए गए ब्यौहारी थाना पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम साखी तिराहा देवरांव रोड पर घेराबंदी की यहां अवैध रेत से भरी एक सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया पुलिस को देखकर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया जब्त रेत की कीमत लगभग 3 हजार रुपए और ट्रैक्टर-ट्रॉली की कीमत 7 लाख रुपए आंकी गई है पुलिस ने कुल 7.03 लाख रुपए मूल्य की संपत्ति जब्त कर ट्रैक्टर के पंजीकृत स्वामी और फरार चालक के खिलाफ बीएनएस एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है रेत से भरे तीन हाइवा वाहन जब्त अवैध रेत परिवहन की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद ब्यौहारी एसडीएम काजोल सिंह ने स्वयं सड़क पर उतरकर कार्रवाई की ब्यौहारी टोल नाके के पास जांच के दौरान रेत से भरे तीन हाइवा वाहन जब्त किए गए एक अन्य वाहन चालक प्रशासनिक टीम को देखकर सड़क पर ही रेत खाली कर वाहन सहित फरार हो गया पकड़े गए वाहनों के चालकों से वैध दस्तावेज मांगे गए लेकिन वे कोई आवश्यक अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके इसके बाद सभी वाहनों को जब्त कर तहसील और थाना परिसर में खड़ा कराया गयारीवा और उत्तर प्रदेश की ओर भेजी जा रही थी रेतजानकारी के अनुसार, आसपास की नदियों से अवैध रूप से रेत निकालकर रीवा और उत्तर प्रदेश की ओर भेजी जा रही थी। जिले में वर्तमान में रेत का कोई वैध खनन ठेका संचालित नहीं है, इसके बावजूद बड़ी संख्या में रेत से भरे वाहन सड़कों पर दौड़ते दिखाई दे रहे हैं स्थानीय लोगों ने खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं उनका आरोप है कि जैतपुर क्षेत्र में भी कई स्थानों पर खुलेआम अवैध रेत खनन जारी है सूत्रों के अनुसार जैतपुर में अवैध रेत लेने जा रहे एक वाहन ने बिजली का पोल तोड़ दिया था जिसके बाद लोगों ने चालक की पिटाई कर दी प्रशासन ने पूरे नेटवर्क की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

उड़ती लोहे की चादर से किसान की मौत,सीधी में तेज आंधी के दौरान हादसा

ग्राम चंदवाही में 60 वर्षीय रघुनाथ साकेत पर दो बार लगी उड़ती लोहे की चादर, अस्पताल ले जाते समय

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह तेज आंधी और तूफान के दौरान एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई ग्राम चंदवाही निवासी 60 वर्षीय रघुनाथ साकेत पर अचानक उड़ती हुई लोहे की चादर गिर गई जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई घटना शुक्रवार सुबह लगभग 11 बजे हुई। तेज हवाओं के कारण इलाके के कई मकानों की लोहे की चादरें उड़ने लगीं रघुनाथ साकेत अपने जीवन की रक्षा के लिए घर से बाहर भाग रहे थे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घर से करीब 80 मीटर दूर पहुंचे ही थे कि उड़ती हुई लोहे की पहली चादर उनके पैर के ऊपरी हिस्से में जा लगी वे खुद को संभालने की कोशिश कर ही रहे थे कि दूसरी चादर तेज रफ्तार से उड़कर उनके शरीर में जा लगी दोनों चादरों के कारण रघुनाथ साकेत गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका काफी खून बह गया उनके बड़े भाई जगन्नाथ साकेत ने बताया कि वे घटना के समय पास ही मौजूद थे उन्होंने कहा आंधी शुरू होते ही हम सभी बाहर भाग रहे थे मेरा भाई आगे था तभी पहली चादर उनके शरीर में लगी उन्होंने मदद के लिए पुकारा लेकिन जब तक हम पहुंचे दूसरी चादर भी उन्हें लगी घटना की जानकारी मिलने पर बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार यह एक आकस्मिक दुर्घटना प्रतीत होती है। पुलिस ने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और आसपास के लोगों से बयान लिए जा रहे हैं।

बच्ची को जनगणना बताकर थमाया बेदखली नोटिस, 7 परिवारों को मकान खाली के निर्देश, डीजे प्लाजा विवाद में कलेक्टर का आश्वासन नजरअंदाज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर में बहुचर्चित डीजे प्लाजा विवाद एक बार फिर गरमा गया है प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों में वर्षों से रह रहे सात परिवारों को बेदखली नोटिस जारी किए गए हैं इन परिवारों का आरोप है कि उन्हें यह नोटिस धोखे से थमाया गया है प्रभावित परिवारों के अनुसार जब घर के बड़े सदस्य मौजूद नहीं थे तब अधिकारियों ने खुद को जनगणना कर्मचारी बताकर एक छोटी बच्ची से कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए। बाद में पता चला कि यह गोपद बनास तहसीलदार राकेश शुक्ला की ओर से जारी बेदखली नोटिस था नोटिस में मकान खाली करने का निर्देश नोटिस में इन परिवारों को अवैध कब्जाधारी बताते हुए मकान खाली करने का निर्देश दिया गया है। यह वही मकान हैं जो लगभग तीन महीने पहले भी विवादों में आए थे जब तत्कालीन एसडीएम ने वर्ष 2017 में बने इन प्रधानमंत्री आवासों को 'खंडहर' घोषित कर दिया था इंजीनियर रविकांत ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि पीएम आवास सरकार की निगरानी और तकनीकी मानकों के अनुरूप बनाए जाते हैं ऐसे में महज आठ वर्ष पुराने मकान को खंडहर घोषित करना तकनीकी रूप से उचित नहीं है पीड़ित परिवार बोला पीएम आवास में रह रहे हैं पीड़ित परिवार बोला पीएम आवास में रह रहे हैं करीब 50 वर्षों से यही रह रहा परिवार करीब 50 वर्षों से यही रह रहा परिवार कलेक्टर के आश्वासन को नजरअंदाज किया पूर्व विवाद के दौरान नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया था उन्होंने कहा था कि जब तक उनके पुनर्वास और वैकल्पिक आवास की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक किसी को मकान खाली नहीं कराया जाएगा हालांकि, अब उसी मामले में दोबारा नोटिस जारी होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय लोगों का आरोप है कि कलेक्टर के आश्वासन को भी नजरअंदाज कर दिया गया है प्रभावित महिला अनुपमा चौरसिया ने बताया कि उनका परिवार लगभग 50 वर्षों से इस स्थान पर रह रहा है और डीजे प्लाजा निर्माण शुरू होने के बाद से उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है तहसीलदार और एसडीएम ने बात करने किया इनकार इस पूरे मामले में जब गोपद बनास के तहसीलदार राकेश शुक्ला और एसडीएम से पक्ष जानने का प्रयास किया गया दोनों अधिकारियों ने इस विषय पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया गौरतलब है कि डीजे प्लाजा सीधी शहर का प्रस्तावित बड़ा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है जहां 100 से अधिक दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर विकास परियोजना के नाम पर गरीब परिवारों के पुनर्वास से पहले उन्हें बेदखल करने की जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है।

एनसीएल सीएसआर से तियरा जलाशय बनेगा पर्यटन केंद्र, वॉच टावर के साथ चलेगी तालाब में नाव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिंगरौली जिले में तियरा जलाशय को पर्यटन और आधुनिक मत्स्य उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है यह परियोजना एनसीएल के सीएसआर फंड के तहत क्रियान्वित की जाएगी। कलेक्टर गौरव बैनल ने शुक्रवार को देवसर जनपद की ग्राम पंचायत तियरा स्थित गर्रा सिंचाई जलाशय का स्वयं निरीक्षण किया कलेक्टर बैनल ने जलाशय के बीच स्थित टापुओं और प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए नाव से भ्रमण किया। इस दौरान उनके साथ एनसीएल के जीएम सीएसआर राजीव रंजन और संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

केंद्रीय कार्यशाला के भूमि पूजन में विधायक ने पूछा यह किस चीज का है विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की तैयारी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली विधानसभा के भाजपा विधायक रामनिवास शाह का एक वीडियो शुक्रवार को सामने आया है जिसने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा पैदा कर दी है वीडियो में देखा जा सकता है कि विधायक एक भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित हैं और बगल में खड़े नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय से पूछते हैं यह किस चीज का है यह भूमि पूजन नगर निगम मुख्यालय परिसर (वार्ड क्रमांक 30) में केंद्रीय कार्यशाला (सेंट्रल वर्कशॉप) के लिए किया गया था। इस कार्यशाला का निर्माण लगभग 80.97 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य नगर निगम के स्वच्छता वाहन, डंपर और अन्य भारी मशीनों के रखरखाव और मरम्मत के लिए स्थायी एवं आधुनिक सुविधा प्रदान करना है भूमि पूजन कार्यक्रम में विधायक रामनिवास शाह और नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय के अलावा स्थानीय पार्षद संजय सिंह, आशीष बैस, सहायक यंत्री प्रवीण गोस्वामी निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। विधायक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था वीडियो सामने आने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या जनप्रतिनिधियों को उन परियोजनाओं के बारे में जानकारी नहीं होनी चाहिए, जिनके भूमि पूजन में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के शिलान्यास और भूमि पूजन में नेताओं की भूमिका केवल औपचारिक उपस्थिति तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें संबंधित परियोजनाओं की पूरी जानकारी और महत्व पता होना चाहिए राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटना ने जनप्रतिनिधियों की विकास कार्यों के प्रति गंभीरता और तैयारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं वहीं समाजसेवी एवं नागरिक समूहों ने कहा कि विधायक और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों को परियोजनाओं की पूरी जानकारी होना जरूरी है ताकि वे अपने मतदाताओं को सही जानकारी दे सकें और परियोजना के महत्व को जनता के सामने रख सकें इस घटना के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा है ।

खरला गांव 20 दिन से ट्रांसफार्मर खराब: बिजली न होने से मोटर पंप बंद, मोबाइल चार्ज के लिए दूसरे गांव जा रहे ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के बुढार क्षेत्र अंतर्गत खरला गांव के ग्रामीण करीब 20 दिनों से गंभीर बिजली संकट का सामना कर रहे हैं गांव का बिजली ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। अब तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है। इस स्थिति से गांव के सैकड़ों लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है खासकर भीषण गर्मी के बीच पेयजल बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कार्यों पर इसका गहरा असर पड़ रहा है ग्रामीण राम प्रसाद यादव ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना बिजली कंपनी को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ उपभोक्ताओं के बिजली बिल बकाया होने के कारण विभाग ट्रांसफार्मर बदलने में देरी कर रहा है जिसका खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीण बोले-बिजली न होने से मोटर पंप बंद: ग्रामीण सीताराम कोल ने जानकारी दी कि बिजली न होने से मोटर पंप बंद पड़े हैं, जिससे पानी की समस्या बढ़ गई है। लोगों को दूर-दराज के हैंडपंपों से पानी लाना पड़ रहा है। वहीं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को गर्मी के कारण सबसे अधिक परेशानी हो रही है गांव की निवासी फूलवती बाई ने बताया कि रात के समय पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है बिजली न होने से पंखे और कूलर बंद हैं जिससे लोगों की रातें जागकर कट रही हैं उन्होंने कहा कि अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

मोबाइल चार्ज करने के लिए दूसरे गांव जा रहे: एक अन्य ग्रामीण राजेश सिंह ने बताया कि मोबाइल चार्ज करने के लिए भी लोगों को दूसरे गांव जाना पड़ रहा है। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और छोटे दुकानदारों का कामकाज भी ठप पड़ गया है ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे बिजली कंपनी के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर ट्रांसफार्मर बदलवाने और गांव की बिजली व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है।

गोविंदगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में संगठन सृजन अभियान के तहत कार्यकर्ता बैठक संपन्न

ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाने और संगठन को मजबूत करने पर हुआ जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा संचालित संगठन सृजन अभियान के तहत गोविंदगढ़ ब्लॉक के तमरा मंडलम में एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक आयोजित की गई बैठक का उद्देश्य ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाना संगठनात्मक संरचना को मजबूत करना और संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक सक्रिय रूप से संचालित करना था बैठक का नेतृत्व मंडलम अध्यक्ष आनंद सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद और पूर्व मंत्री राजमणि पटेल उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर कपिध्वज सिंह (भैया साहब)ने की। कार्यक्रम में जिला संगठन महासचिव रवि तिवारी गुढ़ विधानसभा प्रभारी रमेश द्विवेदी, गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी प्रदीप अवस्थी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राम नरेश यादव, जिला मंत्री अरविंद सिंह, ब्लॉक कोषाध्यक्ष कामदेव मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे बैठक को संबोधित करते हुए जिला संगठन महासचिव रवि तिवारी ने कहा कि ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों में नियुक्त पदाधिकारियों की पहचान अपने-अपने क्षेत्रों में स्पष्ट, सक्रिय और प्रभावी होनी चाहिए, जिससे संगठन की विश्वसनीयता और जनसंपर्क मजबूत हो अध्यक्षीय उद्बोधन में कुंवर कपिध्वज सिंह ने संगठनात्मक अनुशासन और नियमित बैठकों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर पखवाड़े में कम से कम एक बैठक आयोजित की जानी चाहिए, जिससे कार्यकर्ताओं के बीच संवाद, समन्वय और जवाबदेही की भावना विकसित हो मुख्य अतिथि राजमणि पटेल ने कहा कि कांग्रेस की वास्तविक शक्ति गांव, किसान और पंचायत स्तर के संगठन में निहित है ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों को मजबूत बनाकर ही जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। उन्होंने संगठन सृजन अभियान को कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया कार्यक्रम के अंत में मंडलम अध्यक्ष आनंद सिंह ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और संगठन सृजन अभियान को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया बैठक में रामायण तिवारी, राम सुंदर सिंह, रमेश पटेल, रजनीश शुक्ला, सुशील मिश्रा, ज्ञानी सोनी, शिब्बू सिंह सहित मंडलम पदाधिकारी, ग्राम पंचायत अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर में लड़की से गैंगरेप पुताई करने आए दो युवकों ने बंधक बनाया 40 हजार रुपए भी ट्रांसफर कराए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र में घर में पुताई का काम करने आए दो युवकों ने एक लड़की को अकेले पाकर बंधक बना लिया उन्होंने लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और डरा-धमकाकर ऑनलाइन पैसे भी लूट लिए। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुछ ही घंटों में दोनों आरोपियों को धर दबोचा है यह खौफनाक घटना गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे की है आरोपी अनूप साकेत और राकेश साकेत पुताई और पेंटिंग के काम के बहाने घर के अंदर आए थे उस वक्त 20 साल की लड़की घर में बिलकुल अकेली थी। आरोपियों ने इसका फायदा उठाया और लड़की को जान से मारने की धमकी दी इसके बाद उन्होंने लड़की के ही मोबाइल से फोन पे ऐप के जरिए 40,000 रुपए ऑनलाइन अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए कमरे में बंद कर किया सामूहिक दुष्कर्म पैसे लूटने के बाद भी आरोपियों का मन नहीं भरा। उन्होंने लड़की को एक कमरे में बंधक बना लिया और दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ गलत काम किया। जब पीड़ित लड़की ने खुद को बचाने की कोशिश की और विरोध किया, तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट भी की। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी वहां से भाग निकले पुलिस ने चंद घंटों में दोनों को पकड़ा शाम को जब परिवार के लोग घर लौटे, तो रोती हुई पीड़ित लड़की ने उन्हें पूरी आपबीती सुनाई परिवार तुरंत थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने रात करीब 8 बजे केस दर्ज किया।

भारत में सूखे के आसार

संपादकीय

भारत सरकार को उर्वरक, खाद सबसिडी 3.42 लाख करोड़ रुपए करनी पड़ सकती है। यह सबसिडी कंपनियों को दी जाएगी, ताकि वे खाद का पर्याप्त बंदोबस्त कर सकें। बजट में इस सबसिडी का करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया था। खाद के संकट के साथ देश की खाद्य-सुरक्षा भी जुड़ी है। यदि कमजोर मॉनसून और अल नीनो के कारण, खाद के अभाव में, उपज कम हुई, तो खाद्यान्न की कमी के कारण देश में खाद्य-संकट के हालात भी बन सकते हैं। कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। धान, ईख, मक्का आदि मुख्य फसलें हैं। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है। यह खेती छोटे भू-भाग पर भी नहीं की जा सकती। किसान जिस खाद का इस्तेमाल करते हैं, उसका एक मोटा हिस्सा जमीन के भीतर रिस कर और भूमिगत जल के साथ मिल कर आसपास के खेतों में चला जाता है। उससे जैविक खेती प्रभावित, खादयुक्त हो जाती है। फिर वह प्राकृतिक खेती रहती ही नहीं। भारत में करीब 6.01 करोड़ टन खाद की सालाना खपत होती है। बेशक 90 फीसदी एनपीके का उत्पादन देश में ही किया जाता है और 87 फीसदी यूरिया का उत्पादन भी हम करने में सक्षम हैं, लेकिन उर्वरक संयंत्रों को चलाने के लिए भी एलएनजी चाहिए। खाड़ी, पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध जारी है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप समझौते और युद्धविराम के ढोंग करते रहें, लेकिन हकीकत यह है कि वह युद्ध खत्म करना ही नहीं चाहते। अमरीका का एक तबका युद्ध से डॉलर छाप रहा है। बमबारी जारी है। ईरान ने भी कुवैत, बहरीन, जॉर्डन के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह किया है। युद्ध के कारण तेल, गैस, खाद और खासकर एलएनजी के आयात और आपूर्ति दोनों ही बाधित हैं। इनके कारण और कमजोर मॉनसून, अल नीनो के प्रभाव से भारत के राजस्थान, गुजरात के कच्छ क्षेत्र, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल और कर्नाटक आदि राज्यों में सूखे, खाद्य-संकट के आसार बन रहे हैं।

ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के हालात क्यों बिगड़ गए ?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में कभी अजेय दिखाई देने वाली ममत बेनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी आज गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रही है। 2026 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष, बगावत और नेतृत्व को लेकर सवाल लगातार बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

अगर ड्ढक्षबदूबार मंथन करेंगे तो सर्व प्रथम सत्ता-विरोधी माहौल का असर दिखाई दे रहा है। लगभग 15 वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता में रहने के बाद टीएमसी को स्वाभाविक रूप से सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर कथित कट मनी संस्कृति, प्रशासनिक अक्षमता और कुछ चर्चित घोटालों ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुँचाया। कई विश्लेषकों का मानना है कि जनता के एक वर्ग में बदलाव की इच्छा मजबूत हो गई थी।

नेतृत्व और उत्तराधिकार की चुनौती : टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत हमेशा ममता बनर्जी का व्यक्तिगत जनाधार रहा है। लेकिन समय के साथ पार्टी में नेतृत्व का अत्यधिक केंद्रीकरण दिखाई देने लगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बेनर्जी की भूमिका को लेकर भी संगठन के भीतर मतभेद सामने आए हैं। हाल के घटनाक्रमों में कई नेताओं और सांसदों द्वारा असंतोष व्यक्त किए जाने की खबरें आई हैं।बगावत ने संकट को गहरा किया : सबसे बड़ा झटका तब लगा जब बड़ी संख्या में विधायकों ने बागी रुख अपनाया। रिपोर्टों के अनुसार 58 से अधिक विधायकों ने अलग समूह का समर्थन किया और पार्टी नेतृत्व को खुली चुनौती दी। इससे ञ्जरूष्ट की एकजुटता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं।संगठनात्मक कमजोरी उजागरः चुनावी हार के बाद कई स्थानीय इकाइयों और समितियों को भंग करने की नौबत आई। यह कदम आत्ममंथन के लिए उठाया गया बताया गया, लेकिन इससे यह भी संकेत मिला कि पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा दबाव में है।कानूनी और विवादास्पद मामलों का दबाव : पार्टी के कुछ नेताओं पर लगे आरोप, जांच एजेंसियों की कार्रवाई और हस्ताक्षर जालसाजी जैसे विवादों ने भी ञ्जरूष्ट की मुश्किलें बढ़ाई हैं। विपक्षइन मुद्दों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि पार्टी को लगातार सफाई देनी पड़ रही है।

आगे की राह :टीएमसी का संकट केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और लंबे समय तक सत्ता में रहने से पैदा हुई चुनौतियों का संयुक्त परिणाम है। फिर भी ममता बनर्जी भारतीय राजनीति की सबसे संघर्षशील नेताओं में गिनी जाती हैं। यदि वे संगठन को पुनर्गठित करने, असंतुष्ट नेताओं को साथ लाने और जनता के बीच विश्वास बहाल करने में सफल रहती हैं, तो टीएमसी फिर से मजबूत वापसी कर सकती है।

लेकिन यदि आंतरिक कलह और नेतृत्व विवाद जारी रहे, तो पश्चिम बंगाल की राजनीति में ञ्जरूष्ट का प्रभाव पहले जैसा बनाए रखना कठिन हो सकता है। वर्तमान संकट पार्टी के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है और अस्तित्व की चुनौती भी।

लेख के बीच बॉक्स में

टीएमसी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों में बिखराव क्यों ?

हाल के दिनों में राज्यसभा सांसद सुखेंदु सेखर रॉय के इस्तीफे और कई सांसदों के असंतोष की खबरों ने यह संकेत दिया है कि पार्टी के भीतर असहमति अब खुलकर सामने आ रही है।टीएमसी के राज्यसभा सदस्यों में बढ़ते बिखराव के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं। पहला कारण नेतृत्व को लेकर असंतोष है। पार्टी के कई नेताओं को लगता है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया सीमित दायरे में सिमट गई है और वरिष्ठ नेताओं की राय को पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद यह असंतोष और बढ़ गया है।दूसरा कारण राजनीतिक भविष्य की चिंता है। सत्ता से बाहर होने के बाद अनेक सांसद और विधायक अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। ऐसे समय में कुछ नेताओं द्वारा नए राजनीतिक विकल्प तलाशना स्वाभाविक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों में कई सांसदों के संभावित अलग रुख अपनाने की चर्चा भी सामने आई है।तीसरा कारण भ्रष्टाचार और संगठनात्मक कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे प्रश्न हैं।

लोभ मानव जीवन का सबसे बड़ा शत्रु

मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति, सद्गुणों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है। मनुष्य के भीतर अनेक प्रकार की इच्छाएँ और आकांक्षाएँ होती हैं। इच्छाएँ जीवन को गति देती हैं और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, किंतु जब यही इच्छाएँ सीमा का अतिक्रमण कर लेती हैं और केवल अधिक से अधिक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में परिवर्तित हो जाती हैं, तब वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ या लालच ऐसा दुर्गुण है जो मनुष्य के समस्त सद्गुणों को नष्ट कर देता है और उसके जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं तथा दुखों का कारण बनता है। इसी कारण सभी धर्मों और महान विचारकों ने लोभ को पापों की जड़ तथा मानव पतन का प्रमुख कारण बताया है।

कांतिलाल मांडोत

लोभ का अर्थ है आवश्यकता से अधिक पाने की तीव्र और अनियंत्रित इच्छा। सामान्य इच्छाएँ मनुष्य के विकास के लिए आवश्यक होती हैं, परंतु जब व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से आगे बढ़कर केवल संग्रह, स्वार्थ और भौतिक संपत्ति को ही जीवन का लक्ष्य बना लेता है, तब लोभ उत्पन्न होता है। लोभी व्यक्ति को कभी संतोष नहीं मिलता। उसके पास चाहे कितना भी धन, वैभव और प्रतिष्ठा क्यों न हो, वह और अधिक पाने की लालसा में निरंतर व्याकुल रहता है। यही असंतोष उसके मन की शांति छीन लेता है और उसे अनेक अनैतिक कार्यों की ओर प्रेरित करता है।

लोभ को पापों का जनक कहा गया है क्योंकि इसके प्रभाव में आकर व्यक्ति सही और गलत का भेद भूल जाता है। वह अपने लाभ के लिए दूसरों का अहित करने में भी संकोच नहीं करता। इतिहास और वर्तमान समाज दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अधिकांश अपराधों के पीछे किसी न किसी रूप में लोभ ही कार्य करता है। चोरी, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, शोषण, विश्वासघात और हिंसा जैसी अनेक बुराइयों की जड़ में लालच ही पाया जाता है। जब व्यक्ति धन और संपत्ति को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मान लेता है, तब उसके भीतर करुणा, दया, प्रेम, सत्य और ईमानदारी जैसे गुण धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। उनकी जगह क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और छल-कपट जैसे दुर्गुण जन्म लेने लगते हैं।

आज के भौतिकवादी युग में लोभ की समस्या और भी अधिक बढ़ गई है। आधुनिक समाज में सफलता का मापदंड प्रायः धन और वैभव को माना जाने लगा है। लोग अधिक धन कमाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ में लगे हुए हैं। इस प्रतिस्पर्धा ने मानव संबंधों को भी प्रभावित किया है। अनेक बार व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज के हितों की उपेक्षा करके केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। धन कमाना गलत नहीं है, परंतु जब धन ही जीवन का केंद्र बन जाता है, तब जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। व्यक्ति बाहरी रूप से समृद्ध दिखाई देता है, किंतु भीतर से अशांत और असंतुष्ट बना रहता है।

लोभ का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि यह मनुष्य के विवेक को नष्ट कर देता है। लोभी व्यक्ति को अपने कर्मों के परिणामों का विचार नहीं रहता। वह तत्काल लाभ के आकर्षण में पड़कर ऐसे निर्णय लेता है जो अंततः उसके लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। कई बार व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उन लोगों का भी विश्वास तोड़ देता है जिन्होंने जीवनभर उसका साथ दिया होता है। इस प्रकार लोभ केवल व्यक्ति का ही नहीं बल्कि उसके संबंधों और सामाजिक प्रतिष्ठा का भी विनाश कर देता है।

एक प्रसिद्ध कथा इस सत्य को स्पष्ट करती है। एक धनी व्यापारी को ऐसी शक्ति प्राप्त हो गई जिससे वह जिस वस्तु को स्पर्श करता, वह सोने में बदल जाती। प्रारंभ में उसे अपनी इस शक्ति पर बहुत गर्व हुआ और वह अत्यंत प्रसन्न हुआ। उसने अपने घर की अनेक वस्तुओं को सोने में बदल दिया। किंतु जब उसके स्पर्श से उसकी प्रिय पत्नी भी स्वर्ण प्रतिमा बन गई, तब उसे अपनी भूल का एहसास हुआ। उसने समझा कि धन और सोना जीवन की वास्तविक खुशियों का स्थान नहीं ले सकते। प्रेम, संबंध, अपनापन और मानवीय संवेदनाएँ किसी भी भौतिक संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। इस घटना ने उसके जीवन की दिशा बदल दी और उसे वैराग्य तथा आत्मचिंतन की ओर प्रेरित किया।

वास्तव में मनुष्य की आवश्यकताएँ सीमित होती हैं, परंतु उसकी लालसाएँ असीमित हो सकती हैं। यदि इच्छाओं पर नियंत्रण न रखा जाए तो वे कभी समाप्त नहीं होतीं। जितना अधिक व्यक्ति प्राप्त करता है, उतना ही अधिक पाने की इच्छा उसके भीतर जन्म लेती है। यह स्थिति उस समुद्र के समान है जो अनगिनत नदियों का जल प्राप्त करने के बाद भी कभी नहीं भरता। इसलिए संतोष को मानव जीवन का सबसे बड़ा धन माना गया है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति प्रयास करना छोड़ दे, बल्कि इसका अर्थ है अपनी उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञ रहना और अनैतिक साधनों से अधिक प्राप्त करने की लालसा से बचना।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी लोभ अत्यंत हानिकारक है। यह मनुष्य को आत्मिक उन्नति से दूर कर देता है। जब व्यक्ति का मन केवल भौतिक वस्तुओं में उलझा रहता है, तब वह अपने वास्तविक स्वरूप और जीवन के उच्च उद्देश्यों को भूल जाता है। आत्मा का सुख बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि आंतरिक शांति, सदाचार और आत्मज्ञान से प्राप्त होता है। इसलिए सभी धर्मों ने संयम, त्याग और संतोष को महत्वपूर्ण गुण माना है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है, वही वास्तविक सुख और शांति का अनुभव कर सकता है।

लोभ से बचने के लिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को महत्व दें। हमें यह समझना चाहिए कि धन और संपत्ति जीवन के साधन हैं, साध्य नहीं। यदि भौतिक उपलब्धियों के साथ मानवीय संवेदनाएँ, नैतिकता और आत्मिक विकास न हो तो वह सफलता अधूरी है। हमें अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझना चाहिए तथा जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। सेवा, परोपकार, दान और सहयोग जैसे गुण लोभ को कम करने में सहायक होते हैं और व्यक्ति को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं।

लोभ मानव जीवन का एक घातक दुर्गुण है जो व्यक्ति के सद्गुणों का नाश कर देता है और उसे पतन की ओर ले जाता है। यह असंतोष, अशांति और अनेक प्रकार के पापों का कारण बनता है। इसके विपरीत संतोष, संयम और सदाचार व्यक्ति को सच्चा सुख, सम्मान और आत्मिक शांति प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को चाहिए कि वह भौतिक लालसाओं पर नियंत्रण रखे और अपने जीवन को नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर संचालित करे। यही मानव जीवन की सार्थकता है और यही वास्तविक सुख एवं सफलता का मार्ग भी है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)।

उड़ान के दौरान यात्री को पानी न देना उपभोता सेवा में कमी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिमाचल के जिला धर्मशाला उपभोक्ता आयोग ने उड़ान में बच्चों को पानी न देने के लिए थाई लायन एयर पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

यह परिवाद तरुण कुमार चौरसिया ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष दायर किया था, जिन्होंने बैंकॉक की यात्रा के लिए अपने और अपने परिवार के लिए हवाई टिकट बुक किए थे।हेमांशु मिश्रा और आरती सूद की अध्यक्षता वाले जिला उपभोक्ता आयोग ने यह भी माना कि एयरलाइन का यह आचरण बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन और सेवा में कमी का मामला है। तरुण कुमार चौरसिया ने फ्लाइट नंबर एसएल0214 के तहत अपने और अपने परिवार के लिए बैंकॉक की यात्रा के लिए टिकट बुक किए थे, जो मूल रूप से 13 से 20 जनवरी, 2025 तक निर्धारित थे। थाई लायन एयर ने उपभोक्ता की सहमति के बिना उड़ान को 14 से 21 जनवरी तक पुनर्निर्धारित कर दिया, जिससे परिवार की यात्रा योजना बाधित हुई और उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ, जिसमें 2,527 रुपये की गैर-वापसी योग्य होटल बुकिंग भी शामिल है।

अमृतसर से बैंकॉक की उड़ान के दौरान, एयरलाइन के कर्मचारियों ने उनके 10 और 15 वर्ष के बच्चों को पीने का पानी देने से यह कहकर इनकार कर दिया कि पानी मुफ्त नहीं है और केवल थाई करेंसी में ही खरीदा जा सकता है। एयरलाइन द्वारा भारतीय मुद्रा स्वीकार न किए जाने के कारण बच्चे छह घंटे की पूरी यात्रा के दौरान प्यासे रहे। जिसपर थाई लायन एयर और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय दोनों को नोटिस भेजे जाने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग ने इस मामले पर सुनवाई की। वैध नोटिस मिलने के बावजूद, कोई भी विपक्षी पक्ष आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। परिणामस्वरूप, उपभोक्ता के हलफनामे और सहायक दस्तावेजों के आधार पर मामले की कार्यवाही एकतरफा सुनवाई के लिए निर्धारित की गई। आयोग ने हस्ताक्षरित यात्री टिप्पणी प्रपत्र (अनुलग्नक सी-4) को मुख्य साक्ष्य के रूप में संदर्भित किया और पाया कि सुनीसा नामक एक चालक दल सदस्य ने एक बयान पर हस्ताक्षर करके पुष्टि की थी कि उड़ान में नियमित पानी की कोई मुफ्त व्यवस्था नहीं थी और खरीद के लिए केवल थाई करेंसी ही स्वीकार किए जाते थे। अपने फैसले में उपभोक्ता आयोग ने कहा, 'हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि विपक्षी पार्टी नंबर 1 थाई लायन एयर ने उपभोक्ता के नाबालिग बच्चों को छह घंटे की लंबी यात्रा के दौरान प्यासा रखकर सेवा में लापरवाही बरती है। विपक्षी पार्टी नंबर एक के चालक दल ने न केवल सेवा में लापरवाही बरती है, बल्कि इस मामले में बुनियादी मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।उपभोक्ता की पूर्व सहमति के बिना उड़ान का समय बदलना भी सेवा में लापरवाही है। इसलिए, शिकायत स्वीकार की गई।उपभोक्ता आयोग ने थाई लायन एयर को मानसिक पीड़ा के मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये, होटल के नुकसान के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 2,527 रुपये और मुकदमे खर्च के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। फ्लाइट में पानी न मिलना यात्रियों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। सभी एयरलाइनों के लिए उड़ान के दौरान पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध कराना अनिवार्य है।इसी प्रकार 31 जनवरी की सुबह लैक्स से की फ्लाइट लेट हो गई।साथ ही प्लेन बहुत गर्म और उमस भरा हो गया था।एक यात्री ने पानी मांगा तो एयर होस्टेस ने इसे नियमों के खिलाफ बताया व कहा कि वे पानी बेच भी नहीं सकते। उन्होंने यात्री को पानी पीने के लिए प्लेन से उतार दिया , लेकिन वापस प्लेन में चढ़ाने के लिए 10 मिनट तक दरवाजा खोलने के लिए कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। जब यात्री ने यह बात फ्लाइट अटेंडेंट को बताई तो उसने बचाव करते हुए कहा, यह हमारी गलती नहीं है और मुंह फेर लिया। फ्लाइट स्टाफ का यह आचरण भी उपभोक्ता सेवा में कमी की परिधि में आता है।जिसके लिए अनुतोष प्राप्त किया जा सकता है। (लेखक उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता है) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)।

बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अस्तित्व की लड़ाई में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस

घटते जनाधार और बदलती परिस्थितियों ने बढ़ाई नजदीकियां दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इन बैठकों को लेकर भले ही किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन या विलय की संभावना की पुष्टि नहीं की हो, लेकिन राजनीति में संकेतों का महत्व हमेशा शब्दों से अधिक माना जाता है। विशेष रूप से तब, जब दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हों। ऐसे समय में लगातार हो रही मुलाकातें केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं मानी जा सकतीं। इनके पीछे बदलते राजनीतिक समीकरणों और भविष्य की रणनीतियों की झलक भी दिखाई देती है।

कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में कांग्रेस कभी देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टी रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और लंबे समय तक केंद्र तथा राज्यों में सत्ता के कारण कांग्रेस का प्रभाव लगभग पूरे देश में फैला हुआ था। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। कई राज्यों में उसका संगठन लगभग निष्क्रिय हो चुका है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस अब मुख्य राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका वोट प्रतिशत और सीटों की संख्या पहले की तुलना में काफी घट चुकी है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वह भाजपा के उभार के सामने एक प्रभावी वैकल्पिक राजनीतिक कथा प्रस्तुत नहीं कर सकी। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई। कहीं जातीय राजनीति ने जगह बनाई तो कहीं क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा कांग्रेस पर भारी पड़ा। परिणाम यह हुआ कि राष्ट्रीय पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस का प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक सिमटता गया। हालांकि राहुल गांधी की यात्राओं और विपक्षी एकता के प्रयासों ने पार्टी को कुछ हद तक राजनीतिक चर्चा के केंद्र में बनाए रखा, लेकिन यह भी सच है कि कांग्रेस अभी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर सकी है।

दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में तीन दशक से अधिक समय तक सत्ता में रही वामपंथी सरकार को हटाकर एक नई राजनीतिक शक्ति खड़ी की थी। बाद में उन्होंने भाजपा की चुनौती का भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया। एक समय ऐसा लगा कि तृणमूल कांग्रेस केवल बंगाल तक सीमित पार्टी नहीं रहेगी बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गोवा, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में पार्टी ने विस्तार की कोशिशें भी कीं।

लेकिन राजनीति में सफलता स्थायी नहीं होती। यदि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता है, तो यह उसके लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। किसी भी क्षेत्रीय दल की ताकत उसके मजबूत संगठन और निर्विवाद नेतृत्व पर आधारित होती है। जब संगठन में टूट-फूट शुरू होती है और नेताओं का विश्वास डगमगाने लगता है, तब राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी तलाशना एक व्यावहारिक राजनीतिक विकल्प बन जाता है।

यही कारण है कि राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात को केवल एक सामान्य राजनीतिक बैठक के रूप में नहीं देखा जा रहा। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने की कोशिश कर रही है और तृणमूल कांग्रेस अपने राजनीतिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। दोनों दलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन उनकी चिंता एक जैसी है–राजनीतिक प्रासंगिकता को बनाए रखना।

कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंधों का इतिहास भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। ममता बनर्जी स्वयं कांग्रेस की ही उपज हैं। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी और बाद में बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। लंबे समय तक दोनों दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और अविश्वास का माहौल रहा। कई चुनावों में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। इसलिए आज यदि दोनों दलों के बीच संवाद बढ़ रहा है तो यह केवल वैचारिक निकटता का परिणाम नहीं बल्कि राजनीतिक आवश्यकता का संकेत भी माना जा सकता है।

राजनीति में स्थायी मित्र और स्थायी शत्रु नहीं होते। परिस्थितियां बदलती हैं तो रणनीतियां भी बदलती हैं। यदि कांग्रेस को लगता है कि क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल के बिना भाजपा का मुकाबला कठिन है, तो वह पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ सकती है। इसी प्रकार यदि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर अकेले आगे बढ़ना मुश्किल है, तो वह भी पुराने रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर सकती है।

हालांकि किसी संभावित गठबंधन या समझौते के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और उसकी अपनी संगठनात्मक संरचना है। वहीं तृणमूल कांग्रेस का पूरा राजनीतिक मॉडल ममता बनर्जी के नेतृत्व के इर्द-गिर्द विकसित हुआ है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच भी कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा रही है। ऐसे में किसी भी बड़े राजनीतिक समझौते को जमीन पर लागू करना आसान नहीं होगा।

फिर भी यह तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति में जनाधार का क्षरण दलों को नए विकल्प तलाशने के लिए मजबूर करता है। जब राजनीतिक समर्थन घटने लगता है तो विचारधारात्मक मतभेद भी अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं और अस्तित्व का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

आज कांग्रेस अपने गौरवशाली अतीत और अनिश्चित भविष्य के बीच खड़ी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बचाए रखने की चुनौती का सामना कर रही है। दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता जनता का विश्वास दोबारा अर्जित करने की है। केवल राजनीतिक समीकरणों और नेताओं की मुलाकातों से जनाधार वापस नहीं आता। इसके लिए मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व, विश्वसनीय नीतियां और जनता के मुद्दों से निरंतर जुड़ाव आवश्यक होता है।

राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को जरूर हवा दी है, लेकिन इन मुलाकातों का वास्तविक महत्व आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा। फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि यह दौर भारतीय राजनीति में नए समीकरणों के निर्माण का है। जिन दलों ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी, वे आज बदलती परिस्थितियों के कारण संवाद की राह पर दिखाई दे रहे हैं। यह केवल दो दलों की कहानी नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के उस बड़े सत्य का उदाहरण है जिसमें जनाधार ही सबसे बड़ी शक्ति होता है। जब जनाधार मजबूत होता है तो दल आत्मविश्वास से भरे रहते हैं, लेकिन जब वह कमजोर पड़ने लगता है तो नए सहयोगियों की तलाश और पुराने रिश्तों की पुनर्स्थापना राजनीति की अनिवार्यता बन जाती है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की मौजूदा स्थिति भी इसी राजनीतिक यथार्थ को प्रतिबिंबित करती है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि ये मुलाकातें केवल राजनीतिक शिष्टाचार थीं या फिर भारतीय राजनीति में किसी नए अध्याय की शुरुआत का संकेत।

(वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)।

छत्तीसगढ़ में 16 जून से ही खुलेंगे स्कूल: एडमिशन फेस्ट होगा, फ्री किताबें-यूनिफॉर्म दिए जाएंगे

मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। 16 जून से खुलेंगे स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश छत्तीसगढ़ में 16 जून से खुलेंगे स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश छत्तीसगढ़ में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल 16 जून से ही खुलेंगे लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है सभी सरकारी और निजी स्कूलों में 16 जून 2026 से पढ़ाई शुरू होगीआदेश के मुताबिक प्रदेश में 20 अप्रैल से 15 जून 2026 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया था। छुट्टियां खत्म होने के बाद नया शैक्षणिक सत्र 2026-27 का नियमित संचालन 16 जून से शुरू किया जाएगा। इससे पहले गर्मी के कारण स्कूल खुलने में देरी की अटकलें लगाई जा रही थी स्कूल खुलने के साथ ही एडमिशन फेस्ट मनाया जाएगा। तिलक लगाकर बच्चों का स्वागत किया जाएगा। नए बच्चों के एडमिशन के लिए गांवों-शहरों में मुनादी की जाएगी। पात्र विद्यार्थियों को फ्री किताबें, यूनिफॉर्म और साइकिल बांटी जाएगी बोर्ड और स्थानीय परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स का सम्मान किया जाएगा। वहीं प्राइवेट स्कूलों को तय शेड्यूल के अनुसार फ्री किताबें दी जाएगी। किताबों का वितरण 12 डिपो (6 स्थायी और 6 अस्थायी) के जरिए किया जाएगा स्कूलों में मनाया जाएगा एडमिशन फेस्ट 16 जून से शाला प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को इसकी तैयारी के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं विभाग का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा बच्चों का स्कूल में प्रवेश सुनिश्चित करना पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल से जोड़ना और बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करना है निर्देशों के अनुसार, स्कूल खुलने से पहले परिसर, कक्षाओं और भवनों की साफ-सफाई और आवश्यक मरम्मत का काम पूरा किया जाएगा। शाला प्रवेश उत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर, रैली और मुनादी का उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्कूल प्रबंधन समितियों और अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ का पहला संभागीय पोर्टल लॉन्च, सरगुजा संभाग ने रचा डिजिटल प्रशासन का नया इतिहास

संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने किया आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ, एक क्लिक पर मिलेगी प्रशासन, पर्यटन और राजस्व सेवाओं की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। डिजिटल सुशासन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए सरगुजा संभाग ने छत्तीसगढ़ का पहला आधिकारिक संभागीय पोर्टल लॉन्च कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है शुक्रवार को सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने सरगुजा संभाग की आधिकारिक वेबसाइट division-surguja.cg.gov.in का विधिवत शुभारंभ किया यह छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी संभाग की पहली आधिकारिक वेबसाइट है जो नागरिकों, पर्यटकों और विभिन्न हितधारकों को एकीकृत डिजिटल मंच प्रदान करेगी संभागीय वेबसाइट का निर्माण एवं तकनीकी सहयोग राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) सरगुजा द्वारा किया गया है। पोर्टल को भारत सरकार के सुरक्षित एवं आधुनिक SxWaaS (Secure] Scalable & Sugamya Website as a Service) प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है, जिससे इसकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और उपयोगकर्ता सुविधा सुनिश्चित होती है अत्याधुनिक तकनीक और मजबूत साइबर सुरक्षा पोर्टल को ^Secure&by&Design फ्रेमवर्क पर तैयार किया गया है तथा इसकी होस्टिंग NIC के राष्ट्रीय डाटा सेंटरों में की गई है। इसके माध्यम से वेबसाइट को स्वचालित सुरक्षा अपडेट, साइबर सुरक्षा प्रबंधन और नियमित सुरक्षा ऑडिट जैसी सुविधाएं प्राप्त होंगी। वेबसाइट पूरी तरह रिस्पॉन्सिव है, जिससे इसे मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर सहित सभी डिजिटल उपकरणों पर आसानी से उपयोग किया जा सकेगा। वर्तमान में यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है प्रशासन, पर्यटन और राजस्व सेवाओं का एकीकृत मंच नव विकसित पोर्टल के माध्यम से सरगुजा संभाग की प्रशासनिक संरचना, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संभागीय प्रोफाइल, अधिकारियों की संपर्क जानकारी तथा सभी जिलों से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वेबसाइट में सरगुजा संभाग के प्रमुख पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासतों और क्षेत्रीय महोत्सवों की विस्तृत जानकारी भी शामिल की गई है जिससे पर्यटकों को क्षेत्र की विशेषताओं से परिचित होने में सुविधा मिलेगी।

ऑनलाइन राजस्व सेवाओं तक सीधी पहुंच: पोर्टल के माध्यम से नागरिक अब बी-1/पी-11, नामांतरण, राजस्व न्यायालय आवेदन, डायवर्सन सहित अनेक महत्वपूर्ण ऑनलाइन राजस्व सेवाओं तक सीधे पहुंच सकेंगे। इसके अलावा कार्यालयीन नोटिस, निविदाएं, अधिसूचनाएं, परिपत्र एवं अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी नियमित रूप से वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएंगी। नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए वेबसाइट में फीडबैक फॉर्म, मीडिया कॉर्नर, फोटो गैलरी और वीडियो गैलरी जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।

डिजिटल सुशासन की दिशा में मील का पत्थर: शुभारंभ अवसर पर संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने सरगुजा संभाग के सभी जिला कलेक्टरों और एनआईसी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी जिलों द्वारा सक्रिय डेटा साझाकरण और एनआईसी की समर्पित टीम की मेहनत से राज्य का पहला संभागीय पोर्टल साकार हो पाया है उन्होंने कहा कि यह पोर्टल प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद को और अधिक सशक्त बनाने तथा डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा कार्यक्रम में उपायुक्त आर.के. खुंटे सहित कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

ज्वेलर को 11 दिन तक नहीं लगी भनक, सोने की बाली चुराकर पीतल की रख गए शातिर

ग्राहक बनकर आए दो युवकों ने सराफा बाजार की दुकान में की चोरी, सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई पूरी वारदात

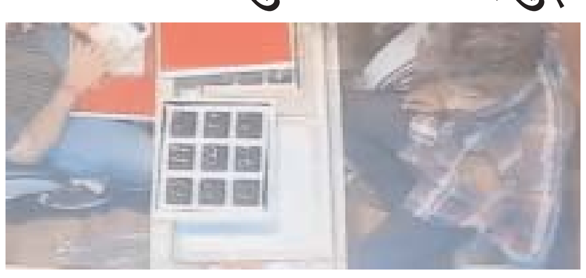

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के सराफा बाजार स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान पर बेहद शातिराना अंदाज में चोरी की घटना सामने आई है। दो युवक ग्राहक बनकर दुकान में पहुंचे और सोने की बाली चुराकर उसकी जगह पीतल की बाली रख गए हैरानी की बात यह है कि इस चोरी की भनक दुकानदार को पूरे 11 दिन तक नहीं लगी मामले का खुलासा तब हुआ जब दुकानदार ने एक अन्य ग्राहक को बाली दिखाने के दौरान संदिग्ध आभूषण की जांच कराई जानकारी के अनुसार, सराफा बाजार स्थित कनक ज्वेलर्स के संचालक विष्णु सोनी ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है उन्होंने बताया कि 1 जून को दो युवक उनकी दुकान पर आए थे। दोनों ने सोने की बालियां देखने की इच्छा जताई, जिस पर उन्हें बालियों से भरी ट्रे दिखाई गई इसी दौरान एक युवक दुकानदार को बातचीत में उलझाए रहा जबकि दूसरा युवक मौका पाकर ट्रे में रखी सोने की बाली चोरी कर ले गया आरोपी ने अपनी चालाकी छिपाने के लिए जेब से निकाली गई पीतल की बाली उसी स्थान पर रख दी जिससे किसी को तत्काल संदेह न हो सके वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों युवक आराम से दुकान से निकल गए घटना का खुलासा गुरुवार को हुआ जब एक ग्राहक को बाली दिखाने के लिए वही ट्रे निकाली गई ट्रे में रखी एक बाली संदिग्ध प्रतीत होने पर उसकी जांच कराई गई जिसमें वह पीतल की निकली इसके बाद दुकानदार ने पिछले दिनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले फुटेज में दोनों युवकों की पूरी हरकत स्पष्ट रूप से दिखाई दी वीडियो में एक युवक दुकानदार का ध्यान भटका रहा है, जबकि दूसरा सोने की बाली निकालकर उसकी जगह पीतल की बाली रखता नजर आ रहा है। शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

ब्लॉक में 9.48 लाख रुपए गबन मामला, डेढ़ साल बाद भी एफआईआर नहीं 5700 पन्नों की जांच फाइल बीईओ और थाना के बीच घूमती रही

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के पिपरिया ब्लॉक में शिक्षकों के एरियर्स और छात्रवृत्ति राशि का गबन करने वाले ऑपरेटर कमलेश अहिरवार के खिलाफ डेढ़ साल से एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई है। कुल गबन राशि 9.48 लाख रुपए बताई गई है। मामला सामने आने के बाद ऑपरेटर को तत्काल निलंबित कर राशि जमा करवा ली गई थी लेकिन पुलिस में मामला लंबित है जांच में पाया गया कि कमलेश अहिरवार ने स्वयं, अपनी पत्नी रेवा अहिरवार और भाई अनिल अहिरवार के खातों में छात्रवृत्ति और एरियर्स की राशि ट्रांसफर कराई थी। बीईओ पिपरिया श्रीलाल रघुवंशी ने बताया कि ऑपरेटर ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए ब्याज समेत पूरी राशि जमा करा दी बीईओ ने अपनी तरफ से सभी दस्तावेज पुलिस को सौंप दिए। 6 मार्च 2026 को कार्यालयीन स्टाफ सहित प्रभारी लेखापाल थाना पिपरिया में उपस्थित हुए। इसके बावजूद पुलिस द्वारा उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह कुशवाहा की व्यस्तता और आवश्यक दस्तावेजों की अधूरी जानकारी के कारण एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी मंगलवारा थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी का कहना है कि बीईओ द्वारा गबन की राशि जमा कराने और वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन मांगने के बाद एफआईआर की प्रक्रिया रोक दी गई थी। उन्होंने बताया कि जांच में हाजिरी रजिस्टर, वेतन पर्ची, जिला कोषालय की मूल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज सत्यापित किए गए, लेकिन बीईओ द्वारा भेजी गई फाइल अधूरी पाई गई शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक डॉक्टर मनीष वर्मा ने भी एफआईआर न होने पर नाराजगी जताई। 7 मार्च 2025, 24 अक्टूबर 2025 और 9 दिसंबर 2025 को कलेक्टर कार्यालय और जेडी द्वारा एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन मामला लंबित रहा। अब 5700 पन्नों की जांच फाइल बीईओ कार्यालय की अलमारी में बंद है और बीईओ तथा थाना प्रभारी एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। इस देरी ने शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तवा नदी ब्रिज के पास अवैध रेत उत्खनन से हड़कंप, सुरक्षा पर गंभीर सवाल

एमपीआरडीसी ने कलेक्टर-एसपी को पत्र लिखकर तत्काल उत्खनन रोकने की मांग की

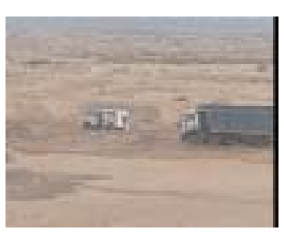

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर तवा नदी के ब्रिज के 100 मीटर दायरे में हो रहे अवैध रेत उत्खनन का मामला उजागर होने के बाद हड़कंप मच गया है पुल की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए एमपीआरडीसी ने कलेक्टर, एसपी और जिला खनिज विभाग को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है मप्र सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) के डिवीजनल मैनेजर सियाराम अहिरवार ने टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि ब्रिज के पिलर से मात्र 50 मीटर के दायरे में बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया गया है इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ कार्यालय भोपाल और जिला प्रशासन को भेजी गई है अधिकारियों ने ब्रिज की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने की सिफारिश की है हालांकि मामला सामने आने के तीन दिन बाद भी खनिज विभाग द्वारा कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं इससे पहले 9 जून को मीडिया रिपोर्ट में तवा नदी ब्रिज के पास दिन-रात पोकलेन मशीनों से 100 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध उत्खनन का खुलासा हुआ था रिपोर्ट के बाद एमपीआरडीसी और खनिज विभाग में हड़कंप मच गया था अगले दिन विभागीय टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक रेत माफिया गायब हो चुके थे जांच में यह भी सामने आया कि बंद पड़ी खदान से कई महीनों से पोकलेन मशीनों के माध्यम से रेत का अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा था। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे माफियाओं के हौसले बढ़ते रहे।

डीएमएफ बैठक में 27.97 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल को मिली बड़ी सौगात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिले के विकास को नई गति देने के लिए 2797.17 लाख रुपये के विभिन्न जनकल्याणकारी एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक डीएमएफ मद से जिले को कुल 8189.71 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं जिनमें से 6950.42 लाख रुपये विभिन्न विकास कार्यों पर व्यय किए जा चुके हैं। वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में स्वीकृत 425 विकास कार्यों में से 189 पूर्ण हो चुके हैं जबकि 236 कार्य प्रगति पर हैं स्वास्थ्य क्षेत्र में 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल मनेंद्रगढ़ के लिए जिला टीकाकरण स्टोर, टीएमटी मशीन, होल्टर मशीन, एबीपीएम मशीन, मुक्तांजलि वाहन तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों और तकनीकी कर्मचारियों की सेवाओं के विस्तार को मंजूरी दी गई। केल्हारी और आमाखेरवा में पोस्टमार्टम कक्ष निर्माण सहित विभिन्न स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों को भी स्वीकृति मिली नगर निगम चिरमिरी और नगर पालिका मनेंद्रगढ़, नई लेदरी एवं झगराखांड क्षेत्रों में जल प्रदाय, प्रकाश व्यवस्था, सोलर लाइट, फ्लड लाइट, आवास निर्माण, बाजार शेड और पार्किंग शेड जैसे कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नगरीय निकायों में पेयजल गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए बैठक में स्व-सहायता समूहों और लखपति दीदियों के लिए पैकेजिंग यूनिट, मिलेट एवं मोरिंगा प्रोसेसिंग यूनिट, सेनेटरी पैड निर्माण इकाई, चेकडैम, सामुदायिक कुएं और पर्यटन विकास से जुड़े कार्यों को भी स्वीकृति प्रदान की गई स्वास्थ्य मंत्री ने सड़क सुरक्षा, पेयजल, पर्यटन विकास और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

देश के सिनेमाघरों में दिखेगा नर्मदापुरम 'द नर्मदा स्टोरी' में आईपीएस सिमाला प्रसाद एसआई और टीआई की भूमिका में दिखेंगे शरद सिंह

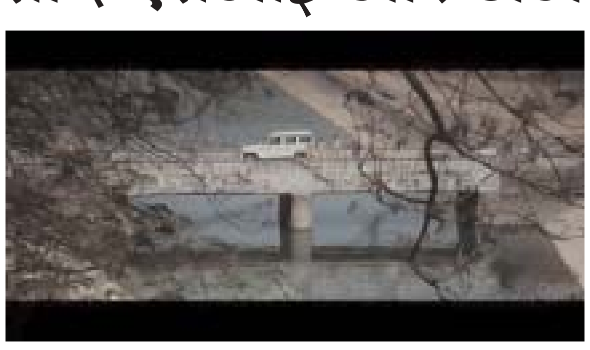

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर 12 जून को देश के सिनेमाघरों में नजर आएगा फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' में शहर और जिले की कई प्रमुख लोकेशन दिखाई जाएंगी फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी संपूर्ण शूटिंग नर्मदापुरम के वास्तविक और खूबसूरत घाटों व वादियों में की गई है साथ ही, फिल्म में नजर आने वाले कई कलाकार भी इसी माटी से ताल्लुक रखते हैं टीआई पुरुषोत्तम भदौरिया की भूमिका अभिनेता शरद सिंह ने निभाई है जो नर्मदापुरम शहर के ही रहने वाले है IPS अधिकारी और बॉलीवुड दिग्गजों की जुगलबंदी फिल्म में बॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकारों के साथ-साथ असली प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय कलाकारों का एक बेहतरीन कोलाज देखने को मिलेगा। फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण मध्य प्रदेश कैडर की असली IPS अधिकारी सिमाला प्रसाद हैं, जिन्होंने इस फिल्म में सब-इंस्पेक्टर नर्मदा रायकवार का मुख्य और बेहद दमदार किरदार निभाया है उनके साथ दिग्गज अभिनेता रघुवीर यादव 'नंदकिशोर रायकवार की एक सशक्त भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अश्विनी कालसेकर 'अग्नि धुर्वे' नाम की एक आदिवासी महिला का मुख्य किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए पूरी व्यवस्था से अकेले लड़ जाती है। मशहूर मुकेश तिवारी 'राम रतन शुक्ला के एक अहम और नकारात्मक किरदार में दर्शकों को रोमांचित करेंगे अभिनेता इश्तियाक खान निशा नाम के एक ट्रांसजेंडर विलेन के रूप में पर्दे पर नजर आएंगे दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब 'सुधा रायकवार के किरदार में अपनी अदाकारी का जादू बिखेरेंगी, जबकि अंजलि पाटिल गुलाब सिंह' की एक प्रभावशाली भूमिका में दिखाई देंगी शरद सिंह फिल्म में लापता पुलिस इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम भदौरिया' के एक सस्पेंसफुल किरदार को जीवंत कर रहे है। 40 दिन तक चली शूटिंग फिल्म की करीब 90 प्रतिशत शूटिंग नर्मदापुरम शहर और जिले के अलग-अलग हिस्सों में हुई है। जगदीश मंदिर घाट, जनपद पंचायत, बस स्टैंड, रेस्ट हाउस तवा डैम सहित कई प्रमुख स्थान फिल्म में दिखाई देंगे खास बात यह है कि फिल्म में नर्मदापुरम की पहचान और लोकेशन के नाम नहीं बदले गए हैं फिल्म के निर्देशक जैगम इमाम हैं फिल्म की कहानी नर्मदा अंचल और मध्यप्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है आदिवासी महिला के संघर्ष की कहानी फिल्म की कहानी आदिवासी महिला अग्नि धुर्वे के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपनी बेटी को बचाने के लिए संघर्ष करती है उसकी लड़ाई में पुलिस इंस्पेक्टर नर्मदा रैकवार उसका साथ देती हैं यह किरदार वास्तविक जीवन की आईपीएस अधिकारी सिमाला प्रसाद ने निभाया है दोनों मिलकर उन अपराधियों के खिलाफ खड़ी होती हैं जो अपने रसूख और ताकत के दम पर खुद को कानून से ऊपर समझते हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना: युवाओं को मिलेगा रोजगार कौशल और आर्थिक सहायता का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार युवाओं को उद्योगों से जोड़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना संचालित कर रही है। योजना के तहत चयनित युवाओं को प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान किया जाएगा योजना का लाभ लेने वाले युवाओं को 9,000 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक इंटर्न को 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदानभी प्रदान किया जाएगा। युवाओं को उनकी रुचि और उपलब्ध अवसरों के अनुसार 6 माह या 9 माह की इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त होगा। जिला प्रशासन ने जिले के सभी पात्र और इच्छुक युवाओं से इस महत्वाकांयोजना का लाभ उठाने की अपील की है। प्रशासन ने बताया कि यह योजना युवाओं को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करेगी बल्कि उनके कौशल विकास व्यक्तित्व निर्माण और रोजगार संभावनाओं को भी सशक्त बनाएगी युवाओं, अभिभावकों शैक्षणिक संस्थानों और जनप्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे योजना की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक युवक-युवतियां इस अवसर का लाभ उठा सकें प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के लिए निर्धारित पोर्टल या संबंधित विभागीय कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

भतीजे ने तकिए से मुंह दबाकर बुआ को मारा

दूसरे भतीजों को खाती-पिलाती और रुपए देती थी बुआ, इसी बात का था गुस्सा

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम, (निप्र)। माखननगर थाना क्षेत्र के ग्राम फुरतला में 18 मई 2026 को हुई 70 वर्षीय रामबाई राजपूत की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला की हत्या उसके सगे भतीजे राकेश राजपूत ने ही जमीन और मकान के लालच में की थी।

वारदात के अगले दिन जब घटना का खुलासा हुआ और पुलिस व एफएसएल टीम मौके पर पहुंची, तब आरोपी राकेश भी वहां मौजूद रहा।

वह लगातार पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखता रहा और खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश करता रहा। लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और उसके संदिग्ध व्यवहार के आधार पर पुलिस का शक उसी पर गहराता गया। माखननगर थाना प्रभारी

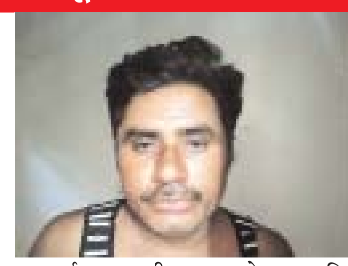

एसआई आकाशदीप पचाया ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी लगातार गुमराह करता रहा और अंतिम समय तक जुर्म स्वीकार नहीं किया।

बाद में साइबर सेल की रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने तकिए से मुंह दबाकर अपनी बुआ की हत्या करना कबूल कर लिया।

अंधेरे का फायदा उठाकर की हत्याः पुलिस के अनुसार, वारदात की रात आरोपी चोरी से बागुड़ कूदकर घर के आंगन में घुसा था। आवाज सुनकर रामबाई जाग गईं। पूछने पर आरोपी ने कहा कि उसे लगा वह सो रही होंगी, इसलिए दरवाजा नहीं खटखटाया।

रात में बिजली चली गई। अंधेरे का फायदा उठाकर राकेश ने तकिए से बुजुर्ग महिला का मुंह दबा दिया। अचेत होने के बाद वह उन्हें आंगन से उठाकर घर के अंदर ले गया और वहां भी तकिए से मुंह दबाए रखा, जिससे उनकी मौत हो गई।

जेवर और जमीन के दस्तावेज लेकर फरारः हत्या के बाद आरोपी ने घर से पैरों की कड़ी, कान के जेवर, बिछिया, 5 हजार रुपए नकद, जमीन की बही, मकान की रजिस्ट्री, शपथ पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, हिसाब-किताब की डायरी चुराकर दरवाजा बंद किया और फरार हो गया।

● नर्मदा घाट किनारे छिपाया सामान

गिरफ्तारी के बाद एक दिन की पुलिस रिमांड में आरोपी को वंशीखैरी गांव के पास नर्मदा घाट ले जाया गया। उसने वहीं जेवर और दस्तावेज छिपाने की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने सामग्री बरामद कर ली।

● जमीन के लिए बनाया हत्या का प्लान

मृतका के पति की एक साल पहले मौत हो चुकी थी और उनके कोई संतान नहीं थी। करीब 8 एकड़ जमीन और मकान उनके नाम थे। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बुआ अकेली रहती थीं और दूसरे भतीजों को खर्च के लिए रुपए देती थीं, लेकिन उसे कुछ नहीं देती थीं। इसी बात से नाराज होकर उसने हत्या की योजना बनाई।

● पहले लगाए थे पुलिस पर मारपीट के आरोप

घटना के बाद पूछताछ के लिए पुलिस ने राकेश और अन्य परिजनों को थाने बुलाया था। 19 से 29 मई के बीच उससे कई बार पूछताछ हुई।

सिलवानी में दो सड़क हादसों में तीन लोग घायल

डंपर और ट्रैक्टर से टक्कर के बाद दो घायल, गंभीर हालत में रायसेन रेफर

मीडिया ऑडीटर,रायसेन, (निप्र)। रायसेन जिले के सिलवानी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोग घायल हो गए। इनमें से दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रायसेन रेफर किया गया है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

पहला हादसा जूनिया पुल के आगे मोड़ पर हुआ। यहां एक बाइक और डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार हिनोतिया निवासी संदीप साहू (24) और चिचौली निवासी तुलसी रजक (22) घायल हो गए।

सूचना मिलने पर डायल-112

पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सिविल अस्पताल सिलवानी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रायसेन जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, संदीप साहू और तुलसी रजक मध्य प्रदेश जल निगम में कार्यरत हैं। वे किसी काम से सिलवानी से धौलपुर जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे डंपर से उनकी बाइक टकरा गई।

दूसरा हादसा खमेरा-दिगड्डा मार्ग पर हुआ। यहां एक बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में बाइक सवार प्रयांश (पिता श्याम), निवासी ग्राम अवरिया, थाना सुल्तानगंज, गंभीर रूप से घायल हो गए। डायल-112 पुलिस टीम ने उन्हें सिविल अस्पताल सिलवानी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें भी जिला अस्पताल रायसेन रेफर कर दिया।

दोनों हादसों के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में नदी चौराहा स्थित सीवन नदी घाट पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक सुदेश राय, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सीताराम यादव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर और सुदीप प्रजापति सहित जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने घाट पर साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। इस अवसर पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार पर जोर

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरुवार को पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी एवं अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आम नागरिकों एवं वाहन चालकों की सुविधा सुनिश्चित करने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

उक्त बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने नगर एवं जिले के चिन्हित स्थलों पर हाईमास्ट लाइटें स्थापित करने की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 40 हाईमास्ट लाइटें लगाई जानी हैं और डार्क जोन वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, वहां शीघ्र हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जाएं।

वहीं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने कहा कि जिन स्थानों पर पहले से हाईमास्ट लाइटें लगी हुई हैं लेकिन वे खराब हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए। इसके साथ ही दोपहिया वाहन चालकों, विशेष रूप से राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर यात्रा करने वाले लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट का उपयोग सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली गंभीर चोटों और मृत्यु की संभावना को कम करता है, इसलिए इसके प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाए। बैठक में जिले की सड़कों पर लगाए गए संकेतक बोर्डों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई की सभी सड़कों पर आवश्यक संकेतक बोर्ड व्यवस्थित रूप से लगाए जाएं, जिससे वाहन चालकों को मार्ग संबंधी जानकारी आसानी से मिल सके। साथ ही सड़क किनारे उगी झाड़ियों एवं पेड़-पौधों की नियमित कटाई-छंटाई करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि दृश्यता बेहतर हो और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

बैठक में आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सड़क मरम्मत कार्यों पर भी विशेष जोर दिया गया। अपर कलेक्टर ने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले सड़कों के गड्ढों की मरम्मत का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। इसके अतिरिक्त जिले की सभी जलमग्न पुल-पुलियों पर चेतावनी बोर्ड लगाने एवं बैरिकेडिंग सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए, ताकि बरसात के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर सभी विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर भी बल दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होगा सामूहिक योग कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कुलसचिवों, प्राचार्यों एवं संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से कहा गया है कि वे योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा।

21 जून को उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2026 को प्रदेशभर में व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'Yoga for Healthy Ageing (स्वस्थ आयु के लिए योग)' निर्धारित की गई है। योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रातःकाल सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रमों में आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल (CYP) के अनुसार योगाभ्यास कराया जाएगा। योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जाएंगी तथा नागरिकों को नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के लिए 6, 7 और 8 जुलाई को होगा प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 जुलाई 2025 के महत्वपूर्ण निर्णय के पैरा 35 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों, शैक्षणिक सहायकों, अधिकारियों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 6, 7 एवं 8 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाले इस प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रत्येक कर्मचारी को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है, जिससे किसी भी विद्यार्थी में मानसिक तनाव, अवसाद अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के प्रारंभिक संकेतों की समय रहते पहचान कर उसे उचित परामर्श, सहायता एवं विशेषज्ञ उपचार की दिशा में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा सके। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए अधिक संवेदनशील, सहयोगी एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए यह ऑनलाइन प्रशिक्षण 6 जुलाई 2026 को किया जाएगा, जबकि निजी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए 7 जुलाई 2026 को प्रशिक्षण होगा। इसके अतिरिक्त 8 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए भी इसी प्रकार का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिससे उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति संवेदनशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, उनकी पहचान, आवश्यक सहयोग तथा संस्थागत स्तर पर अपनाए जाने वाले उपायों की जानकारी दी जाएगी। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय परिसर में एकत्रित कर एमएस-टीम्स के माध्यम से प्रशिक्षण से जोड़ा जाए। प्रशिक्षण सत्र की फोटो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग का मानना है कि इस पहल से प्राध्यापकों और कर्मचारियों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर वे विद्यार्थियों को समय पर उचित मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध करा सकेंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में नशामुक्त भारत अभियान की निहित बिन्दुओं की प्राप्ति के लिए विशेष पहल की जा रही है इसके लिए जिला व विकासखण्ड स्तर पर स्थानीय भौगोलिक संरचनाओं के आधार पर कार्ययोजना तय की गई है। जिला स्तरीय बैठक गुरूवार को अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी, स्वंयसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा स्कूल शिक्षा व उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अपर कलेक्टर डामोर ने कहा कि जिले में नशामुक्त अभियान के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए जनजागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन ग्राम स्तरो पर आयोजित किया जाए। आमजनो की

जनजागरूकता पर विशेष आयोजन करने पर बल दिया गया

अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए शपथ कार्यक्रमो का विशेष तौर पर आयोजन किया जाए। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रम स्कूल और कॉलेजो में भी आयोजित करने पर बल दिया है।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने कहा कि जिले में मादक पदार्थो का विक्रय ना हो इसके लिए सप्लायरो पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने गोपनीय सूचना देने वालो का नाम उजागर नहीं करने से आश्वस्त कराते हुए कहा कि हर स्तर पर सूचनाएं प्राप्ति के लिए जिला व विकासखण्ड स्तरो पर विशेष पहल की जाएगी।

बैठक में नशामुक्त केन्द्र के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो की भी जानकारियां प्रस्तुत की गई। इस दौरान बतलाया गया कि इन केन्द्रो में बच्चो को रखने की व्यवस्था नहीं है अतः भोपाल में बच्चों को रखने के लिए विशेष प्रबंध क्रियान्वित किए जाए। खासकर ऐसे बच्चे जो अल्पआयु में नशा से ग्रस्त हो गए है उन्हें नशे से विमुक्त कराने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में भी विचार विमर्श कर निर्णय लिए गए है। बैठक में स्वंयसेवी संस्थाओ के साथ-साथ अन्य के द्वारा नशामुक्त समाज की परिकल्पना को सार्थक करने के लिए आवश्यक प्रबंधो पर सुझाव सांझा किए गए है।

बैठक में औषधि निरीक्षक ने जानकारी दी कि एविल इंजेक्शन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लगातार मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण एवं जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में नियमित निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार से इन दवाओं का उपयोग नशे के उद्देश्य से न हो सके।

अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिए कि जिले के निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम में संचालित मेडिकल स्टोरों की विशेष रूप से जांच की जाए। साथ ही आगामी बैठक में यह जानकारी प्रस्तुत की जाए कि संबंधित संस्थानों द्वारा कितने इंजेक्शनों का उपयोग किया गया है। बैठक में नशीली दवाओं की रोकथाम के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

सागर में नाबालिग ने बस ड्राइवर पर किया चाकू हमला, शराब पीने से रोकने की बात पर हुआ विवाद, ड्राइवर अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर,सागर, (निप्र)। सागर के जैसीनगर बस स्टैंड पर नाबालिग ने बस ड्राइवर पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से ड्राइवर गंभीर घायल हुआ है। घायल को जैसीनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर किया है। जानकारी के अनुसार, जैसीनगर बस स्टैंड के पास रहने वाले बस चालक मधु पटेल ने शिकायत करते हुए बताया कि वे गुरुवार को महक बस के पास मौजूद थे। इसी दौरान शराब के नशे में एक नाबालिग वहां पहुंचा। बस चालक ने उसे कम उम्र में शराब पीने से मना किया और समझाइश दी। इसी बात से नाराज होकर नाबालिग ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गालियां देने से रोका तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान नाबालिग ने चाकू निकाला और ड्राइवर मधु पर हमला कर दिया। हमले में ड्राइवर को पीठ और पेट के पास घाव लगे हैं। जिससे वह गंभीर घायल हुआ है। घटना देख मौके पर मौजूद लोगों ने बीचबचाव कर विवाद शांत कराया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। जैसीनगर थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर ने बताया कि चाकूबाजी करने वाले नाबालिग के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सामने से आते बड़े वाहन को देख घबराकर नीचे गिरे, छतरपुर में बाइक पर सवार तीन लोगों को चोट अस्पताल में गोद में लेकर पहुंचे लोग

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में गुरुवार को फोरलेन सड़क पर एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सरानी गांव निवासी रामकिशोर कुशवाहा, भैयो रैकवार और हरबल सिंह एक ही बाइक पर सवार होकर छतरपुर शहर की ओर आ रहे थे। लिंक रोड से फोरलेन पर चढ़ते ही सामने से आ रहे एक भारी वाहन को देखकर बाइक चालक घबरा गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ट्रॉमा सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, घायल रामकिशोर कुशवाहा के सीने में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, भैयो रैकवार और हरबल सिंह की हालत स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय तीनों युवक कथित तौर पर शराब के नशे में थे, जिसके कारण बाइक चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

बिंजलवाड़ा सिंचाई परियोजना की टेस्टिंग सफल, खरगोन के किसानों को मिलेगी राहत, नवलपुरा तालाब तक पहुंचा पानी

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले की बिंजलवाड़ा सिंचाई परियोजना के पंप 4 BR-2 की टेस्टिंग गुरुवार के बाद शुक्रवार सुबह भी की गई। लगभग 750 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत बेहतर दबाव के साथ नवलपुरा तालाब तक पानी सफलतापूर्वक पहुंच गया है। पहले चरण की इस टेस्टिंग के बाद मचलगांव, एकतासा, बायरल, बड़ी पोखर, लछोरा और पालड़ी क्षेत्र के खेतों तक पानी पहुंचने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सिंचाई की मिली उम्मीदः एनवीडीए और भारतीय किसान संघ के बीच लगातार हुए आंदोलनों के बाद इस सफलता को राहत भरा माना जा रहा है। किसान प्रतिनिधि श्यामसिंह पवार ने कहा कि बारिश से पहले खेतों में अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करना आवश्यक है, ताकि किसान समय पर इसका लाभ उठा सकें। परियोजना के अगले चरण में PS-4 से BR-3 भी चालू की जाएगी। इससे नरगांव, मालखेड़ा, रामपुर, नूरियाखेड़ी और सिराली जैसे क्षेत्रों में भी सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। इस टेस्टिंग के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर, एनवीडीए (नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण) के अधिकारी और भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें श्यामसिंह पवार, नितेश सिंह मौर्य, मुकेश पटेल और राधेश्याम पटेल सहित कई किसान शामिल थे।

अफगानिस्तान 'ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश

– बोले– बारिश नहीं होती तो नतीजा अलग हो सकता था

नई दिल्ली एजेंसी। दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान 'ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत 'ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत 'ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान 'ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत 'ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

जवाब में अफगानिस्तान 'ए' ने भी आक्रामक शुरुआत की। कप्तान इमरान और हसन इसाखिल ने तेज रन बटोरते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बाद में बहीर शाह और इमरान ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन तक पहुंचा दिया। इसी दौरान एक बार फिर बारिश शुरू हो गई और खेल रोकना पड़ा। जब आगे खेल संभव नहीं हो सका तो डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर परिणाम घोषित किया गया। उस समय अफगानिस्तान 'ए' की टीम निर्धारित पार-स्कोर से चार रन आगे थी, जिसके चलते उसे विजेता घोषित कर दिया गया।

मैच के बाद तिलक वर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और इस पिच पर 349 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता था। उन्होंने कहा कि बारिश और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के कारण मुकाबले की दिशा बदल गई। उनके अनुसार टीम के खिलाड़ियों को कुछ मौके भी मिले, लेकिन गेंद फील्डरों तक पहुंचने से पहले ही गिर गई, जिससे अहम सफलताएं हाथ से निकल गईं।

तिलक ने स्वीकार किया कि अफगानिस्तान ने बेहतरीन क्रिकेट खेला, लेकिन उनका मानना है कि यदि मुकाबला 39 ओवर तक पहुंचता तो भारतीय टीम के पास वापसी का अवसर होता।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास: ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया। कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदॉय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप लॉन्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शॉट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदॉय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल ऑस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

हांगकांग से खेल रहे भारतीय मूल के गेंदबाज आयुष के नाम है टी20 में लगातार चार ओवर मेडन फेंकने का रिकार्ड

नई दिल्ली एजेंसी। हांगकांग टीम में शामिल भारतीय मूल के युवा तेज गेंदबाज आयुष शुक्ला के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो काफी अनूठा है। आयुष के नाम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार चार मेडन ओवर फेंके थे। ये टी20 इतिहास में केवल तीसरी बार हुआ है। आयुष लगातार चार ओवर फेंकने वाले खिलाड़ियों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले, यह कारनामा केवल दो अन्य गेंदबाजों ने किया है। कनाडा के साद बिन जाफर ने 2021 में पनामा के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन ने 2024 टी20 विश्व कप में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ चार ओवर मेडन डाले थे। फर्ग्यूसन ने उस मैच में बिना कोई रन दिए तीन महत्वपूर्ण विकेट भी लिए ए थे, जिससे उनका प्रदर्शन और भी प्रभावशाली हो गया था। मंगोलिया के खिलाफ अपने ऐतिहासिक स्पेल के दौरान, आयुष शुक्ला ने कुल 18 डॉट बॉल फेंकीं, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपने पहले तीन ओवर में एक भी रन नहीं दिया। उनकी कसी हुई गेंदबाजी के आगे मंगोलिया के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे और पूरी टीम महज 17 रन पर ऑलआउट हो गई, जिससे मैच का नतीजा एकतरफा रहा। आयुष ने इस मैच में मेडन ओवर डालने के साथ-साथ एक विकेट भी हासिल किया।

आयुष शुक्ला मूल रूप से महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोइसर में जन्मे थे और उन्होंने हांगकांग की टीम में अपनी जगह बनाई है। टी20 क्रिकेट में वह कमाल कर दिखाया जो इससे पहले किसी एशियाई गेंदबाज ने नहीं किया था। आयुष के क्रिकेट करियर की एक और यादगार उपलब्धि 2024 एशिया कप में भारत के कप्तान रोहित शर्मा को आउट करना है। आयुष खुद इसे अपने जीवन का सबसे यादगार पल मानते हैं, और मैच के बाद रोहित शर्मा ने भी उनके साथ फोटो खिंचवाई थी। अब तक अपने 62 मैचों के टी20 करियर में आयुष 58 विकेट ले चुके हैं, जिसमें 2023 में कंबोडिया के खिलाफ 4 ओवर में सिर्फ 3 रन देकर 1 विकेट लेना भी शामिल है।

अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शुभमन

रोहित और कुलदीप बना सकते हैं रिकार्ड

धर्मशाला एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 जून से धर्मशाला में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के पहले मुकाबले में कई रिकार्ड बन सकते हैं। इस मैच में कप्तान शुभमन गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और स्पिनर कुलदीप यादव भी नये रिकार्ड बना सकते हैं। इस मैच में शुभमन को अपने 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने के लिए केवल 43 रनों की जरुरत है। उन्होंने जनवरी 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था और तब से अब तक 61 पारियों में 2953 रन बना चुके हैं। यदि गिल धर्मशाला में पहले ही मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह एकदिवसीय इतिहास में 3000 रन तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले ये आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हाशिम अमला ने 57 पारियों में पूरा किया था। इस मुकाम को हासिल करते ही शुभमन वेस्टइंडीज के शाई होप, पाकिस्तान के फखर जमान और इमाम-उल-हक जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने यह उपलब्धि 67-67 पारियों में हासिल की थी। साथ ही, गिल भारत के लिए सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे, इस समय यह रिकॉर्ड शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था।

इस सीरीज में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का अच्छा मौका है। रोहित को एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस के कुल रनोंको पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 3 रनों की जरूरत है। कैलिस ने अपने शानदार करियर में 328 एकदिवसीय मैचों में 11,579 रन बनाए थे, जबकि रोहित शर्मा 282 मैचों में 11,577 रन तक पहुंच चुके हैं। मात्र तीन रन बनाते ही रोहित कैलिस से आगे निकल जाएंगे।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो स्टार स्पिनर कुलदीप यादव भी एक खास रिकॉर्ड के करीब हैं। कुलदीप ने अब तक 120 एकदिवसीय मैचों में 194 विकेट हासिल किए हैं और उन्हें 200 विकेट पूरे करने के लिए महज 6 विकेट की जरुरत है। यदि कुलदीप पहले वनडे में छह विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वह एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट पूरे करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल मोहम्मद शमी के नाम दर्ज है।

बुमराह ने तीनो प्रारुपों में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया : म्हाम्ब्रे

मुम्बई एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीनों ही प्रारुपों में बेजोड़ हैं। म्हाम्ब्रे का मानना है कि साल 2013 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उतरने के बाद से ही बुमराह ने जिस तरह अपने प्रदर्शन को निखारा है, वह अविश्वसनीय है । इसके लिए उन्हें पूरा श्रेय मिलना चाहिए। बुमराह ने भारतीय टीम की टी20विश्वकप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी।

म्हाम्ब्रे ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में उनका समर्पण और दृढ़ता असाधारण है। बुमराह बेहद केंद्रित हैं और अपने खेल को गहराई से समझते हैं। बेहतर करने की उनकी निरंतर चाहत ही उन्हें विश्व का नंबर वन गेंदबाज बनाती है, म्हाम्ब्रे ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का आंकलन केवल खेले गए मैचों की संख्या से नहीं, बल्कि तीनों प्रारुपों में उनके द्वारा डाले गए प्रभाव से किया जाना चाहिए। बुमराह इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी गति, सटीकता और अप्रत्याशितता से तीनो ही प्रारुपों में बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। गौरतलब है कि क्रिकेट जगत में ऐसे बहुत कम गेंदबाज हैं जिन्होंने टी20, वनडे और टेस्ट जैसे तीनों प्रारूपों में इतना गहरा और व्यापक असर डाला हो। म्हाम्ब्रे के अनुसार, बुमराह के आंकड़े उनकी कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ का प्रमाण हैं। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना बेहद पसंद है। वह आसानी से हार नहीं मानते और गेंद को कभी छोड़ते नहीं हैं, म्हाम्ब्रे ने उनकी जुझारू प्रवृत्ति की प्रशंसा की। 2016 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से, बुमराह ने खुद को भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को मिला मौका

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट चयन समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे में भारतीय अंडर-19 टीम को तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलने हैं। यशबर्धन सिंह चौहान को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। इस चयन की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। अन्वय ने किशोर क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए रजत बघेल के साथ अन्वय द्रविड़ को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। वहीं, बहु-दिवसीय मैचों के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को दी गई है।

गौरतलब है कि बीसीसीआई की चयन समिति ने हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को इस दल में तरजीह नहीं दी है। इसके बजाय, चयनकर्ताओं ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान किया जा सके। अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल खेल चुके हैं, लेकिन इस मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य अभी तक आईपीएल में नहीं खेला है। ऐसे में इन युवाओं के पास अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और छाप छोड़ने का एक सुनहरा अवसर है। इस दौरे पर अच्छा प्रदर्शन उन्हें आईपीएल के लिए पंजीकरण कराने, फ्रेंचाइजियों का ध्यान आकर्षित करने और अपने-अपने राज्य बोर्डों से घरेलू टी20 लीग में खेलने के अवसर दिला सकता है।

विश्व कप 2026: रैना ने बताई हार्दिक की चिंता कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं।

रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, रैना ने कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में इन दोनों खिलाड़ियों का व्यापक अनुभव, बड़े स्कोर बनाने की क्षमता और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव संभालने का कौशल गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। दोनों ने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और विश्व कप में गिल की कप्तानी में उनकी भूमिका अहम होगी।

राज्यमंत्री ने किया सोहावल में जनकल्याण शिविर का शुभारंभ शिविर में 948 आवेदन प्राप्त हुए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत सोहावल में शुक्रवार को जनकल्याण शिविर का शुभारंभ नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री मती प्रतिमा बागरी द्वारा किया गया इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचे और किसी भी जरूरतमंद को भटकना न पड़े शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू की गई साथ ही आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, जनपद पंचायत सदस्य रावेन्द्र सिंह, हरिओम सिंह, आकांक्षा सिंह, जनपद पंचायत सोहावल के सीईओ प्रतिपाल सिंह बागरी सहित अन्य अधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधि, सरपंचगण उपस्थित रहे राज्यमंत्री मती बागरी ने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में शासन और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए राज्यमंत्री ने कहा कि जनहित और जनसेवा के कार्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। ऐसे शिविरों के माध्यम से आमजन को त्वरित लाभ प्रदान करना ही मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और अपनी समस्याएं भी रखीं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रतिपाल बागरी ने बताया कि जनकल्याण शिविर में कुल 948 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 700 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया तथा शेष 248 आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में किया जायेगा।

श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव के भव्य समापन पर उमड़ा भक्तिरस का सागर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री संतधाम उदासीन आश्रम में महंत स्वामी ईश्वर दास उदासीन जीके सानिध्य में पिछले 27 दिनों से चल रहे भक्ति अमृत महोत्सव की अंतिम कड़ी में शुक्रवार को श्री बालकृष्ण लीला संस्थान द्वारा आयोजित श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ समापन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का ऐसा सजीव मंचन प्रस्तुत किया गया कि उपस्थित श्रद्धालु स्वयं को वृंदावन की पावन भूमि में अनुभव करने लगे। रासलीला में भगवान श्रीकृष्ण, राधारानी और गोपियों के अलौकिक प्रेम, भक्ति और समर्पण की झांकियों ने सभी को भावविभोर कर दिया। मधुर भजनों, आकर्षक संगीत और जीवंत प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। श्रद्धालु 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयघोष के साथ भक्ति रस में डूबे रहे आध्यात्मिक प्रवचनों में बताया गया कि श्रीकृष्ण की रासलीला केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के दिव्य मिलन का प्रतीक है। रासलीला मानव जीवन को प्रेम, करुणा, त्याग, सेवा और पूर्ण समर्पण का संदेश देती है। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती हैं इस अवसर पर ब्रज की तर्ज पर फूल होली और लठ्ठमार होली का आयोजन भी किया गया। श्री बालकृष्ण लीला संस्थान के कलाकारों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय, भावपूर्ण संवाद और जीवंत प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने कलाकारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति के प्रति आस्था को सुदृढ़ करते हैं समापन अवसर पर महाआरती, पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण किया गया। संत-महात्माओं ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से जीवन में प्रेम, शांति और सद्भाव का संचार होता है जहां श्रीकृष्ण की लीला का गुणगान होता है, वहां भक्ति का प्रकाश स्वतः फैल जाता है रासलीला केवल एक आयोजन नहीं बल्कि प्रभु प्रेम का दिव्य उत्सव है आश्रम की ओर से जानकारी दी गई कि 13 जून से 15 जून तक महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी द्वारा श्री गुरुवचनामृत और आशीष वचन का दिव्य प्रवचन जारी रहेगा।

एकेएस विश्वविद्यालय के छात्र प्रसन्न कुमार सोनी को मिला उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार-2024

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट्स संकाय के छात्र प्रसन्न कुमार सोनी को नाटक लेखन (ड्रामा प्ले-राइटिंग) के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खां युवा पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह सम्मान भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादमी** द्वारा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवा कलाकारों को दिया जाता है एमपीए थिएटर एवं फिल्म द्वितीय सेमेस्टर के छात्र प्रसन्न कुमार सोनी पिछले लगभग दो दशकों से रंगमंच से जुड़े हुए हैं। उन्होंने 40 से अधिक नाटकों में अभिनय, 20 से अधिक नाटकों का निर्देशन तथा 10 से अधिक मौलिक हिंदी नाटकों का लेखन किया है। नाट्य लेखन के क्षेत्र में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है प्रसन्न सोनी ने राम सेंटर रेपर्टरी कंपनी एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रेपर्टरी कंपनी, नई दिल्ली में कलाकार के रूप में कार्य किया है। रंगमंच विषय पर शोध के लिए उन्हें संस्कृति मंत्रालय द्वारा जूनियर रिसर्च फेलोशिप भी प्राप्त हो चुकी है। वे मध्यप्रदेश स्कूल ऑफ ड्रामा में एसोसिएट डायरेक्टर एवं लाइट डिज़ाइनर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, नई दिल्ली में विजिटिंग फैकल्टी हैं उन्होंने लगातार दो वर्षों तक इंडोनेशिया के बांडुंग इंटरनेशनल आर्ट्स फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वे वेब सीरीज राख और लैला में भी अभिनय कर चुके हैं। उनके द्वारा लिखित नाटक सम्राट विक्रमादित्य' का मध्यप्रदेश के विभिन्न नगरों में एक ही दिन में सामूहिक मंचन किया गया था इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी. ए. चोपड़े, डॉ. दीपक मिश्रा, बालकृष्ण मिश्रा सहित समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्न कुमार सोनी को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय, विंध्य क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रसन्न सोनी भविष्य में भी रंगमंच, साहित्य और फिल्म जगत में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

छात्रों के सपनों को उपलब्धियों में बदलना ही ए.के.एस. विश्वविद्यालय का उद्देश्य: अनंत कुमार सोनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ए.के.एस. विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल विभाग के डी.एम.एल.टी. (डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम के छात्र शिवेंद्र गौतम ने मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित समूह-5 भर्ती परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है शिवेंद्र की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार और पैरामेडिकल विभाग में हर्ष का वातावरण है। विभागाध्यक्ष . अनिल मिश्रा सहित विभाग के सभी प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि शिवेंद्र की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभाग के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर अनंत कुमार सोनी ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि ए.के.एस. विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल डिग्री तक सीमित नहीं करता, बल्कि उनके सपनों को साकार करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, संसाधन और अवसर भी प्रदान करता है उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को पहचानकर सही दिशा देना और उन्हें शैक्षणिक एवं व्यावसायिक सफलता के लिए तैयार करना है। शिवेंद्र की सफलता इसका प्रमाण है कि समर्पित प्रयास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं कुलपति प्रो. बी. ए. चोपड़े ने भी शिवेंद्र गौतम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां किसी शैक्षणिक संस्थान की वास्तविक पहचान होती हैं। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और आशा व्यक्त की कि शिवेंद्र अपनी उपलब्धियों से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते रहेंगे।

बाढ आपदा की सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देश के अनुसार अतिवर्षा एवं बाढ की स्थिति में निपटने की पूर्व तैयारियों संबंधी जिला स्तरीय विभागों की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार बाढ-आपदा स्थिति में आवश्यक सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सतना में 15 जून 2025 से 24 घण्टे कार्यशील कन्ट्रोल रूम कलेक्ट्रेट भवन के प्रथम तल कक्ष क्रमांक एफ-19 में जिला स्तरीय कन्ट्रोम रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07672-223211 है। कन्ट्रोल रूम हेतु अधिकारियों कर्मचारियों की डयूटी लगाई गई है। कन्ट्रोल रूम का प्रभारी अधिकारी राहत शाखा एवं डिप्टी कलेक्टर लक्ष्यराम जांगडे मो. 9993754244 को बनाया गया है कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा स्थापित कन्ट्रोल रूम के लिए तहसीलदार लालमणि पाण्डेय कन्ट्रोल रूम के सहायक अधिकारी होंगे। इसी प्रकार प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक के लिए सहायक ग्रेड-3 कैलाशनाथ वर्मा, बाबूलाल कोल, चौकीदार विजय गौतम, दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक के लिये सहायक ग्रेड-3 ऋषि कुमार पटेल, स्थाईकर्मी राजेश कुमार तिवारी, चतुर्थ श्रेणी सूरज प्रसाद वर्मा तथा रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक के लिये सचिव हरिमोहन शुक्ल, वैक्सीनेटर सुपरवाइजर अर्जुन सतनामी, भृत्य प्रमोद कुमार पाण्डेय को नियुक्त किया गया है साथ ही रिजर्व में भृत्य रामकलेश तिवारी, चेनमेन शिवपूजन द्विवेदी के नाम शामिल है।

मैहर जिले में खुली और असुरक्षित खदान नहीं छोडी जायेंगी सुरक्षा मानकों के तहत क्लोजर प्रोटोकॉल का पालन करने जारी हुए आदेश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने खनि पट्टाधारियों द्वारा स्वीकृत खदान से खनिज पदार्थ निकालने के बाद बिना क्लोजर प्रोटोकाल का अनुपालन किये खुला और असुरक्षित छोडने से होने वाली दुर्घटनाओं का गंभीरता से लिया है। उन्होंने खनि पट्टाधारियों को खुली खदानों में सुरक्षा मानकों का अक्षरशः पालन करते हुए क्लोजर प्रोटोकाल अपनाने के आदेश जारी किये है कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मैहर बिदिशा मुखर्जी के आदेशानुसार सम्पूर्ण मैहर जिले में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत प्रतिबंधित आदेश जारी किये गये हैं इस आदेश का उल्लंघन विधि के अनुसार दण्डनीय होगा मैहर जिले में उपखण्ड मजिस्ट्रेट द्वारा अपने क्षेत्रों में जारी आदेशों में कहा गया है कि प्रायः यह देखा जा रहा है कि खनि पट्टाधारियों द्वारा स्वीकृत खदानों से खनिज निकालने के बाद क्लोजर प्रोटोकाल का अनुपालन किये बिना खदानों को खुला व असुरक्षित छोड दिया जाता है जो आमजन के लिए नुकसानदायक होने के साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हानिकारक है इन परिस्थितियों में गंभीर घटनायें घटित होने और जीव-जन्तु एवं जनहानि के व्यापक नुकसान का खतरा असंकित होने से लोक शांति भी विक्षुब्ध हो सकती है। मैहर जिले के सभी खदान क्षेत्रों पर व्यक्तियों को बाधा, क्षोभ और क्षति से बचाने मानव जीवन तथा वन्य प्राणियों के जीवन स्वास्थ्य, क्षेम को सुरक्षित रखने तथा ऐसी घटनाओं से लोक प्रशान्ति बिक्षुब्ध नहीं हो। इसके लिए सभी खदानों के खनि पट्टाधारियों और वहां व्यक्तियों के लिए पालनार्थ आदेश जारी किये गये हैं जारी आदेशों के तहत खनिज पट्टाधारियों को खदान बंद करते समय निर्धारित क्लोजर प्रोटोकाल का पालन किया जाना अनिवार्य होगा इनमें ओपन कास्ट वर्किंग के ऊपरी हिस्से को सुरक्षित रूप से फैंसिंग लगाकर रखा जायेगा यदि खनन के कारण सतत धंस गई है या धंसने की संभावना है तो उस सम्पूर्ण क्षेत्र को प्रभावी ढंग से घेरा जाकर उस क्षेत्र में नोटिस लगाई जायेगी। खदान क्षेत्र के किसी भी खतरनाक स्थान के प्रवेश द्वार पर मजबूत फैंसिंग, बैरियर या गेट लगाया जायेगा ताकि कोई दुर्घटना घटित नहीं हो। खदान का जो हिस्सा वर्तमान में उपयोगी नहीं है वहां भी अनाधिकृत प्रवेश रोकने फैंसिंग या गेट की व्यवस्था की जाये। मौजूदा पिट्स को लीज की सीमा के साथ सेफ्टी बांध और कंटिदार ताड की बाड से घेरना जरूरी होगा। सतह की खुदाई तक पहुंच को सही सेफ्टी के अनुसार रेगुलेट करने के लिए सभी सेफ्टी उपाय लागू किये जायेंगे। सुरक्षा के लिए चौकीदार की तैनाती की जायेगी और खनन उपरांत खदानों में ओवर वर्णन के रूप में उपलब्ध मिट्टी को गड्ढे में भरा जायेगा। खुदाई किये गये गड्ढे के स्टेट्री, बैरियर जोन क्षेत्र को विकसित कर हरियाली से ढका जायेगा। खतरे की चेतावनी का साइन बोर्ड वहां के निवासियों की भाषा में प्रदर्शित करना आवश्यक होगा सुरक्षा बूट, हेलमेट, चश्में और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण की व्यवस्था खान व्यवसायिक प्रशिक्षण नियम 1966 के तहत सभी कर्मचारियों को प्रदाय करना और प्रशिक्षण भी दिया जाना आवश्यक होगा किसी दुर्घटना की सूचना अभिलम्ब संबंधी आर केन्द्र एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट कार्यालय को तुरन्त दी जाये।

जिले की डीएलसीसी बैठक संपन्नप्रधानमंत्री स्वनिधि के अंतर्गत अधिकतम क्रेडिट कार्ड जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में सतना जिले के बैंकर्स की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) की बैठक आयोजित की गई बैठक में जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी विनय मोरे, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक गौतम शर्मा तथा नाबार्ड के जीडी गोपेश सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने विगत वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्य प्राप्ति पर बैंकर्स की सराहना की साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष में सभी आवंटित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने बताया कि वर्तमान माह को स्वनिधि महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है इस अवसर पर सभी बैंकर्स को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अधिकतम ऋण वितरण एवं अधिकतम क्रेडिट कार्ड स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए, ताकि शहरी छोटे व्यवसायियों को आर्थिक मजबूती मिल सके भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी ने जानकारी दी कि वर्ष 2030 तक वित्तीय समावेशन नीति के तहत प्रत्येक गांव के 5 किलोमीटर के दायरे में बैंक शाखा या बैंकिंग कियोस्क की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला बीमा समिति के समन्वयक ने बताया कि राज्य में लगभग 60 प्रतिशत वाहन बीमा कवरेज से बाहर हैं इस पर कलेक्टर ने परिवहन विभाग के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाकर जिले के सभी वाहनों का बीमा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कौशल समिति के अंतर्गत आईटीआई प्राचार्य अजय बागरी ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। कलेक्टर ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए अधिक से अधिक छात्रों को इस ट्रेड में प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सतना में जनजागरूकता एवं पौधारोपण अभियान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर नगर पालिक निगम सतना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को एक व्यापक जनजागरूकता एवं पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने की इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रोजल प्रताप सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद प्रताप सिंह जिला संगठक डॉ. क्रांति मिश्रा**, सहायक उपयंत्री के.पी. गुप्ता, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी राजू साकेत सहित अन्य अधिकारी और नगर पालिक निगम की आईईसी टीम भी उपस्थित रही कार्यक्रम का आयोजन वार्ड क्रमांक 16 स्थित कृपालपुर के टमस नदी तट पर किया गया, जहां विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के तहत नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों की व्यापक साफ-सफाई की गई और स्वच्छता का संदेश नागरिकों तक पहुँचाया गया। उपस्थित नागरिकों, विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में पौधारोपण शामिल था। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए और हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लिया। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी के बिना पर्यावरण संरक्षण असंभव है डॉ. सतीश कुमार ने यह भी बताया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नदी तट, सड़क किनारे, पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने भी इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने और पौधारोपण की प्रथा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े परिवर्तन संभव हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित व सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है इस अभियान के माध्यम से नगर पालिक निगम सतना ने यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता सिर्फ सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। अभियान के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर पौधारोपण एवं स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

सतना-सेमरिया सड़क निर्माण कार्य अधूरा, लोगों को हो रही परेशानियाँ: रामशंकर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-सेमरिया सड़क निर्माण परियोजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का आरोप है कि ठेकेदार ने सड़क निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया जिससे लोगों को रोजमर्रा की यातायात में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण का कार्य संतोषी माता मंदिर से अबेर तक किया जाना था, लेकिन ठेकेदार ने केवल पवैया तक ही काम पूरा किया। इसके आगे की सड़क अब भी खराब और उबड़-खाबड़ है। अधूरी सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है रामशंकर पयासी ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुगम आवागमन की सुविधा के लिए सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की कि अधूरे पड़े सड़क कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए स्थानीय निवासी भी सड़क की बदहाली को लेकर नाराज हैं। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। छोटे वाहन और दोपहिया चालक विशेष रूप से खतरे में रहते हैं रामशंकर पयासी ने चेतावनी दी कि यदि लोक निर्माण विभाग और संबंधित ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा नहीं किया गया, तो **स्थानीय जनता सड़कों पर प्रदर्शन करने को मजबूर हो सकती है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि उन्होंने ठेकेदार को कार्य पूर्ण करने के निर्देश दे दिए हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। सड़क निर्माण अधूरा होने से क्षेत्र के विकास पर भी नकारात्मक असर पड़ा है, क्योंकि यह सड़क कई गांवों और बाजारों को जोड़ने का मुख्य मार्ग है स्थानीय वाहन चालक और आमजन मांग कर रहे हैं कि सड़क निर्माण कार्य जल्द पूरा कराकर सुरक्षित, सुगम और आधुनिक सड़क सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सड़क के अभाव में आवागमन कठिन और जोखिमपूर्ण हो गया है स्थानीय जनता की अपेक्षा है कि प्रशासन और ठेकेदार जल्द ही इस समस्या का समाधान करें, ताकि सतना-सेमरिया मार्ग पर सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुनिश्चित किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।